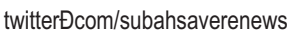


subahsaverenews@gmail.com

**सुप्रभात**

जब हम स्कूल में थे
हमें वो सवाल हल करने को कहा गया
जो पाठके अंत में थे।

हमारी कक्षा में—
नये सवाल पूछना लगभग वर्जित था
और साथ ही वर्जित था
खुद से जवाब लिखना भी !

सवाल पहले से तय थे।
उनके जवाब भी पहले से तय थे।
उनके बदले में अंक भी पहले से तय थे।
और पहले से तय थे
परीक्षाओं के परिणाम भी।

इस तरह स्कूलों ने हमें
देश का वह नागरिक बना दिया
जो न तो सवाल करता है
और न ही जबाव देता है।

- अशोक कुमार

आज मुख्यमंत्री डॉ. यादव करेंगे 'एमपी टेक ग्रोथ' कॉन्क्लेव- 2025' का शुभारंभ

भोपाल(नप्र)। मध्यप्रदेश को टेकनोलॉजी और डिजिटल नवाचार का केंद्र बनाने के उद्देश्य से आयोजित 'एमपी कोट ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025' का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 27 अप्रैल को इंदौर के 'ब्रिलिएंट कंन्वेंशन सेंटर' में करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उम्मीद जताई है कि कॉन्क्लेव देश-दुनिया के टेक दिग्गजों के लिए निवेश का स्वर्णिम अवसर सिद्ध होगा। राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग का ये कॉन्क्लेव आयोजन जीआईएस-भोपाल में आए निवेश प्रस्तावों को मूर्त रूप देने का महत्वपूर्ण प्रयास है।

'एमपी कोट ग्रोथ कॉन्क्लेव' प्रदेश का पहला पूर्णतः सेक्टर आधारित टेक-कॉन्क्लेव होगा, जो हाल ही में आयोजित जीआईएस-भोपाल में आये निवेश प्रस्तावों को धरातल पर साकार करने का मंच बनेगा। कार्यक्रम में गुगल, माइक्रोसॉफ्ट, एनवीआईडीया जैसी बिग-टेक कंपनियों सहित 300 से अधिक तकनीकी विशेषज्ञ, उद्योगपति, नीति निर्माता और निवेशक शामिल होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर प्रदेश की चार नई तकनीकी नीतियों जीसीसी नीति, ड्रोन नीति, सेमीकंडक्टर नीति एवं एवीजीसी-एक्सआर नीति का गाइडलाइंस जारी करेंगे। यह नीतियाँ नवाचार, अनुसंधान और निर्माण को प्रोत्साहित कर प्रदेश में क्षेत्रीय स्तर तक तकनीकी उद्यमिता और क्षमताओं को नई ऊँचाइयों देंगी।

आसमानी उड़ान



सुरक्षाबलों के ऑपरेशन का लाइव टेलीकास्ट न करे मीडिया

पहलगाम हमले के बाद मोदी सरकार ने जारी की एडवाइजरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सरकार ने शनिवार को मोडिया आउटलेट्स से सेना के ऑपरेशन्स और सुरक्षा बलों की आवाजाही का लाइव टेलीकास्ट न करने का निर्देश दिया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि ऐसी रिपोर्टिंग से अनजाने में दुश्मनों को मदद मिल सकती है।



यह सलाह जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद रक्षा मामलों पर रिपोर्टिंग के मद्देनजर जारी की गई है, जिसमें 26 लोग मारे गए थे।



श्रीनरार (एजेंसी)। जम्-
हमरी में अब तक 7
आक्रोशवादियों के घर गिराए जा चुके
हैं। सेना ने त्राल, अंततनाग,
हल्लगावा, कुलगावा और गुर्पावा में
सर्च ऑपरेशन के दौरान यह एक्शन
लिया। द कश्मीर रेजिस्टर फ्रंट ने
हल्लगावा हमले के 3 दिन बाद
कहा कि कु जिम्मेदारी लेने से इनकार
कर दिया है। हमले के बाद सबसे
हल्ले टीआरएफ ने ही इसकी
जम्मेदारी ली थी। शुरुआत में
सिनिवार सुबह 500 से ज्यादा
सैनिकों को गिरफ्तार किया गया।
पलिसि ने सुरत और अमरनगाव में

घुसपैठियों पर कार्रवाई की। गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को मुख्यमंत्रियों से अपील की थी कि घुसपैठियों की जल्द से जल्द पहचान करें और उन्हें वापस उनके देश भेजें। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा है कि वे पहलगाम अटैक की हर निष्पक्ष जांच में शामिल होने को तैयार हैं। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान को बदनाम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान पर हर बार आरोप लगते हैं और यह बदस्तूर नहीं है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री जांच की बात कर रहे हैं।

पीएम ने कहा-युवाओं के लिए अवसरों का अच्छा समय

15वां रोजगार मेला, 51000 युवाओं को बांटे जॉब लेटर

- वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15वां रोजगार मेले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सुबह 11 बजे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। उन्होंने केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों में 51,000 से ज्यादा युवाओं को जॉब लेटर बांटें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा- यह युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसरों का समय है। सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठा रही है कि देश में रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ते रहें। रोजगार मेले का आयोजन देश भर में 47 स्थानों पर किया गया।



अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष का हवाला देते हुए मोदी ने कहा कि, भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। उन्होंने कहा कि ऑटोमोबाइल और फुटवियर इंडस्ट्री में प्रोडक्शन और एक्सपोर्ट ने नए फुटिंग बनाए हैं, जिससे बड़ी संख्या में रोजगार पैदा हुए हैं। प्रधान मंत्री ने बताया कि अंतर्देशीय जलमार्ग के माध्यम से संचाले जाने वाले कार्गो 2014 से पहले 18 मिलियन टन से बढ़कर 145 मिलियन टन हो गए हैं, जबकि राष्ट्रीय जलमार्गों पंच से बढ़कर 110 हो गए हैं और उनकी लंबाई 2,700 किमी से बढ़कर 5,000 किमी से अधिक हो गई है।

भोपाल (नप्र)। भोपाल के सम-य भवन में शनिवार को प्रधानमंत्री रोजगार मेला आयोजित हुआ। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकारी नौकरियों में रूचयित अभ्यार्थियों को वर्चुअल नौकरावसथित किया। केन्द्रीय कृषि एमकेएस कन्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे। यह मेला आज देश के 47 स्थानों पर आयोजित हो रहा है। नजसमें प्रयागराज, लखनऊ, चेन्नई समेत कई स्थान शामिल है। इसके लिए सरकारी नौकरियों में चर्चयित 1 हजार से अधिक अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे जा रहे हैं। कार्यक्रम में राज्य मंत्री कृष्णा गौर, नौकरी करण सिंह वर्मा, महापौर गालती राय समेत कई नेता मौजूद हैं। भोपाल में हुए कार्यक्रम में 200 से ज्यादा अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

51 हजार युवाओं को दिए नैयुक्ति पत्र- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने वर्चुअल संबोधन में कहा कि देश के अलग-अलग विभागों में 1 हजार से ज्यादा युवाओं को नौकरी नौकरिया मिली हैं। उन्होंने कहा



कि ये सभी युवा देश की आंतरिक सुखा, अधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर और श्रमिकों के लाभ के लिए अहम भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप इंडिया और स्टील इंडिया जैसी योजनाओं के जरिए सरकार युवाओं को रोजगार के नए अवसर दे रही है। आज भारत में सबसे ज्यादा रियल टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन हो रहे हैं और देश डेटा साइंस और इनोवेशन में आगे बढ़ रहा है। प्रथममंत्री ने बताया कि इस बाप के बजट में मैनुफैक्चरिंग को बढ़ावा देने की योजना है, ताकि युवा तालेंट स्तर के प्रोडक्ट बना सकें। उन्होंने कहा कि खादी और ग्राम

उद्योग का टर्नओवर पहली बार 1 लाख 70 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा हुआ है, जिससे गांवों में रोजगार के नए रास्ते खुले हैं। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि जल्द ही मुंबई में युवाओं और क्रिएटिव लोगों के लिए एक बड़ा समिट होने जा रहा है, जहां उन्हें स्टार्ट-अप और एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जुड़े मौके मिलेंगे।

प्रधानमंत्री ने ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण पर भी खास जोर दिया। उन्होंने बताया कि अब देश में 90 लाख से ज्यादा सेल्फ हेल्प ग्रुप हैं और 10 करोड़ से ज्यादा महिलाएं इससे जुड़ी हैं।

● फॉरेन सरकारों से बोला भारत-पहलगांम हमले के पीछे पाकिस्तान का हाथ- पहलगांम हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 13 वल्लेडी लीडस को फोन कर आतकी हमले की जानकारी दी। एक रिपोर्ट ने दावा किया की प्रधानमंत्री ने वल्लेडी लीडस को यह बताया की शुरुआती जांच में यह सामने आया है की पहलगांम हमले के पीछे पाकिस्तान का ही हाथ है। प्रधानमंत्री ने कहा की इस बात के भारत के पास तकनीकी इन्फुएंस है और हमारे सोर्सस ने भी यह कन्फर्म किया है। दिल्ली में 30 डिज्जल्लोमेट्स की भी एक मीटिंग हुई, जिसमें भारत ने यही जानकारी दी।

पहलगाम हमले पर बोले मोहन भागवत

हम पड़ोसियों को तंग नहीं करते लेकिन दंड देना राजा का कर्तव्य

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि भारत को शास्त्रीय परंपरा सत्य को सहमतित से स्थापित करना है। हिंदू मैनिफेस्टो ईसा उद्देश्य से प्रस्तावित है, जो व्यापक चर्चा और संशोधन के लिए प्रमाणित पुस्तक है। यह विश्व को नया सत्य देने का भारत का कर्तव्य है, क्योंकि 2000 वर्षों के आस्तिक, नास्तिक और जड़वादी प्रयोग असफल रहे। भौतिक सुख बढ़ा, लेकिन असमानता और पर्यावरण हानि भी बढ़ी। एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि भारत को प्राचीन दृष्टि पर आधारित जीवन-व्यवस्था स्थापित होनी चाहिए। पुस्तक में आठ सूत्र पूर्ण हैं, जबकि भाष्य काल और परिस्थिति के अनुसार बदलते हैं। पिछले 1500



वर्षों से नया शास्त्र नहीं आया, जिसके कारण जाति व्यवस्था जैसे दोष समाज में आए। वेदों का सही भाष्य आज आवश्यक है। शास्त्रों में अस्पृश्यता या जाति का कोई स्थान नहीं, जैसा उडुपी के संत समाज ने भी कहा।

आततायियों को सबक सिखाना भी हमारा धर्म -
उन्होंने जोर दिया कि अहिंसा हमारा स्वभाव है, लेकिन
आततायियों को सबक सिखाना भी धर्म है। पड़ोसियों को तंग नहीं
करने, लेकिन उपद्रव करने वालों को हड़ताल राजा का कर्तव्य है।
भ्रष्टाचारियों को छोड़ना उचित नहीं, क्योंकि धर्म में अर्थ और काम
को मर्यादा में रखना जरूरी है। धर्म को केवल कर्मकांड तक
सीमित नहीं करना चाहिए, यह सत्य, करुणा और सुविधा है। हिंदू
समाज को अपने धर्म को समझने की जरूरत है। हिंदू मैनिफेस्टो
शास्त्रार्थ के माध्यम से शुद्ध परंपरा को सामने लाना।

दिल्ली वक्फ की संपत्ति महज 12 साल में 9 से 1047 हुई

दिल्ली वक्फ बोर्ड ने 2013 से 1,047 संपत्तियां हासिल कीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि 2013 में वक्फ एक्ट, 1995 में एक बदलाव किया गया था। इस बदलाव से पहले, बिना रजिस्ट्रेशन वाले वक्फ पर कोई दावा नहीं कर सकता था लेकिन बदलाव के बाद वक्फ बोर्ड की संपत्तियों में भारी बढ़ोतरी हुई है। पहले पूरे देश में वक्फ बोर्ड के पास 2,07,394 संपत्तियां थीं। इनका क्षेत्रफल 18.3 लाख एकड़ था। 2013 में संशोधन होने के बाद, ये संपत्तियां बढ़कर 8,72,870 हो गईं। अब इनका क्षेत्रफल 39 लाख एकड़ हो गया है। दिल्ली वक्फ बोर्ड का उदाहरण लेते हैं। 2013 में उनके पास सिर्फ नौ संपत्तियां थीं। इनका क्षेत्रफल 0.03 एकड़ था। लेकिन 2025 तक, उनके नियंत्रण में 1,047 संपत्तियां हो गईं। इनका क्षेत्रफल 28 एकड़ हो गया है।

आतंकी हमले के बाद झारखंड में एटीएस की छापेमारी

पति-पत्नी समेत 6 हिरासत में

धनबाद (एजेंसी)। एंटी टेररिस्ट स्क्वाड को मिली खुफिया सूचना के आधार पर धनबाद के वासेपुर समेत कई लोकेशन पर छापेमारी की गई। एटीएस के एसपी ऋषभ झा खुद इस छापेमारी को लीड कर रहे हैं। अब तक इस कार्रवाई में आधा दर्जन लोगों को हिरासत में



लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि इनका कनेक्शन पुलवामा हमले से जुड़े होने की संभावना है। इसकी खुफिया जानकारी मिलने के बाद झारखंड एटीएस की टीम ने बैंकमोड थाना क्षेत्र के वासेपुर और भूली थाना क्षेत्र के 9 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की है। छापेमारी में कई आपतिजनक सामान के अलावा भड़काऊ धार्मिक पुस्तकें बरामद की गई हैं।

भारत के हमले की आशंका के बीच चीन की शरण में पाक युद्ध के लिए मांगी मदद!

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान को भारत के हमले का डर सता रहा है। पिछले दो दिनों से भारत को परमाणु हमले की धमकी देने वाले पाकिस्तान ने नई पैतरे बाजी शुरू कर दी है। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने जहां निष्पक्ष जांच ऑफर किया है, वहीं पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने इंटरनेशनल जांच की मांग कर डाली है। लेकिन भारत के तैवर को देखते हुए पाकिस्तान चीन की शरण में पहुंच गया है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम
25 °C

न्यूनतम
18 °C

सुबह सवेरे

भोपाल ■ रविवार, 27 अप्रैल 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

कांग्रेस का ‘संविधान बचाओ अभियान’ जनता के अधिकारों की रक्षा के लिए

इंदौर में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा पर निशाना साधा

न बचाओ अभियान के संदंभ

● एससी, एसटी और ओबीसी वर्गों के लिए निजी शिक्षण संस्थानों में आरक्षण लागू किया जाए। समानता के अधिकार की रक्षा के लिए यह अनिवार्य है।

● आरक्षण की सीमा 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ाई जाए। वर्तमान सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के अनुसार आरक्षण की पुनर्समीक्षा आवश्यक है।

● आर्थिक न्याय सुनिश्चित किया जाए। किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को कानूनी दर्जा दिया जाए। किसानों के कर्ज माफ कर उन्हें आर्थिक राहत प्रदान की जाए।

● राजनीतिक न्याय की रक्षा की जाए। सभी सामाजिक समूहों को समान राजनीतिक भागीदारी मिलनी चाहिए। लोकतंत्र और समानता की रक्षा संविधान की भावना के अनुसार होनी चाहिए।

भाजपा सरकार तानाशाही चला रही

उमंग सिंघार ने कहा कि यह अभियान केवल कांग्रेस का नहीं, बल्कि संविधान, लोकतंत्र और आम नागरिकों की आवाज की रक्षा का राष्ट्रीय आह्वान है। वर्तमान सरकार लोकतंत्र नहीं, बल्कि तानाशाही चला रही है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर गंभीर हमला हो रहा है। देश के युवा बेरोजगारी से जूझ रहे हैं। लेकिन, विदेशी कंपनियों को लगातार छेड़ दिए जा रहे हैं। सरकार न तो देश के युवाओं को पर्याप्त रोजगार दे पा रही है और न उन्हें प्रार्थमिकता दे रही है। संविधान ने हमें बोलने की आजादी दी है, लेकिन भाजपा सरकार आलोचना को सहन नहीं कर पाती।

बेतवा नदी पर संकट! यूपी में थम गई जलधारा

● मीषण गर्मी से नाले में तब्दील हो गई पौराणिक नदी, गहराया संकट ● पैदल ही पार कर रहे लोग, तटवर्ती इलाकों के सैकड़ों गांवों में चिंता

हमीरपुर (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में जीवनदायिनी बेतवा नदी अब सूरज की तपिश में नाले में तब्दील होने के मुहाने आ गई है। अप्रैल महीने के दूसरे पखवारे की शुरुआत में ही बेतवा नदी का प्रवाह थम गया है। कई जगहों पर इसकी जलधारा विलुप्त हो गई है। इस नदी की दुर्दशा प्रतिबंधित मशीनों से मौरंग खनन के कारण हुई है। बेतवा नदी पर मंझारा संकट को लेकर तटवर्ती इलाकों के गांवों के लोगों में बेचैनी देखी जा रही है। खासकर अबारा मवेशियों के सामने पीने के पानी का संकट गहरा गया है। हमीरपुर में जलवायु कर्क रेखा के समीप रहने से यमुना नदी के उत्तरी भाग की अपेक्षा शुष्क भी रहती है। यमुना नदी 77 किलोमीटर की लम्बाई में बहकर ढाई सौ वर्ग किमी क्षेत्र को ऊबड़ खाबड़ बनाए है। कमोबेश यही स्थिति बेतवा नदी की है, जो सूख गई है। लिफ्टर और पोकलैंड जैसी मशीनों से दिन रात मोरम का खनन होने के कारण बेतवा नदी का अस्तित्व अब खतरे पर पड़ गया है। किसी भी अब आचमन करने लायक नहीं रहा। भीषण गर्मी में किसी जमाने में यह नदी पानी से लंबालब रहती थी। इसकी जलधारा का प्रवाह तेज था। यहां के लोग सुबह और शाम नदी किनारे घूमने जाते थे। मगर अब तो पूरी नदी में जलधाराएं नहीं बची हैं। बीच-बीच में थोड़ा बहुत पानी जरूर देखने को मिल जाता है। निषाद लोगों ने नदी के बीच रेत में ही सब्जों की बारी लगा रखी है। इस नदी की दुर्दशा भी देखिए कि इसे कोई भी पैदल पार कर सकता है।

सूरज की तपिश में कई किमी के दायरे में नाले में तब्दील हो गई है। हमीरपुर शहर के डिग्री रेमेडी के पास बेतवा नदी किनारे गहरे पानी में कई दशक पहले लगाई गई लिफ्ट केनाल का संचालन ठप हो गया है जबकि सहजना गांव के पास बेतवा नदी में संचालित लिफ्ट केनाल भी पानी कम होने के कारण प्रभावित हुई है।

हरियाणा में दर्दनाक हादसा, 7 लोगों की मौत

● पिकअप ने सफाई करने आए 11 लोगों को कुचला ● एक्सप्रेस वे पर बिखरी लाशें, कई शवों के 2 टुकड़े हुए

नूंह (एजेंसी)।

हरियाणा के नूंह में शनिवार सुबह दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर तेज रफ्तार पिकअप ने 11 लोगों को कुचल दिया, जिसमें 6 महिलाओं की मौत हो गई। वहीं व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत हो गई। हादसे में 4 महिलाएं गंभीर घायल हैं। हादसा इतना भयानक था कि कई शवों के 2 टुकड़े हो गए। ये सभी एक्सप्रेसवे पर सफाई का काम करने आए थे। मरने वालों में 4 महिलाएं एक ही परिवार की थीं। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ। सूचना के बाद फिरोजपुर झिरका थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मृतकों के शवों को अल आफिया अस्पताल मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया है। हादसे के बाद एक्सप्रेसवे पर लाशें मांडीखेड़ा में रखवाया। जानकारी के मुताबिक इब्राहिमबास गांव के पास दिल्ली-मुंबई

जल्दी ही कई रूट पर चलेगी वंदे भारत स्लीपर ट्रेन

● कोलकाता में नई फैक्ट्री की शुरुआत, टीआरएसएल और बीएचईएल ने मिल कर लगाई

कोलकाता (एजेंसी)।

देश में पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलने के लिए तैयार है। इस तरह की पहली रेलगाड़ी नई दिल्ली से कोलकाता के हावड़ा स्टेशन के बीच चलेगी। इसके लिए दो ट्रेन सेट बना कर तैयार कर लिया गया है। अब अन्य मार्गों पर भी इस ट्रेन को चलाने की तैयारी है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त प्रोडक्शन नहीं हो पा रहा है। लेकिन अब यह शिकायत भी दूर हो जाएगी। आज ही कोलकाता के उत्तरपाड़ा में एक वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की फैक्ट्री की शुरुआत हुई है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की नई फैक्ट्री कोलकाता के उत्तरपाड़ा में बनी है। इसे टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (टीआरएसएल) और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

कोलकाता (एजेंसी)।

देश में पहली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन चलने के लिए तैयार है। इस तरह की पहली रेलगाड़ी नई दिल्ली से कोलकाता के हावड़ा स्टेशन के बीच चलेगी। इसके लिए दो ट्रेन सेट बना कर तैयार कर लिया गया है। अब अन्य मार्गों पर भी इस ट्रेन को चलाने की तैयारी है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त प्रोडक्शन नहीं हो पा रहा है। लेकिन अब यह शिकायत भी दूर हो जाएगी। आज ही कोलकाता के उत्तरपाड़ा में एक वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की फैक्ट्री की शुरुआत हुई है। वंदे भारत स्लीपर ट्रेन की नई फैक्ट्री कोलकाता के उत्तरपाड़ा में बनी है। इसे टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (टीआरएसएल) और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड

फर्जी टीपी कांड में 4 महीने बाद वन विभाग ने मामला दर्ज किया

न तो आरा मशीन सील की और न ट्रांले के मालिक पर कार्रवाई

इंदौर।

चर्चित फर्जी ट्रांजिट परमिट (टीपी) कांड में आखिरकार चार माह बाद वन विभाग ने संदीप सिंह वाशु के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया। 24 दिसंबर 2024 को कस्टर टॉर्कोज के पास सीसीएफ उड़न दस्ते द्वारा की गई कार्रवाई में दो ट्रांले पकड़े गए थे, इनमें आम की लकड़ी भरी थी। एक गाड़ी फर्जी टीपी के आधार पर इंदौर लाई गई थी। कार्रवाई के चार महीने बाद अब जाकर इस मामले में संदीप सिंह वाशु पर आईपीसी की धारा 420 के तहत मुकदमा दर्ज किया जाना था। लेकिन, अधिकारियों की मिलीभगत के चलते मामला दबा दिया गया। विभाग पर यह भी आरोप है कि उसने अब तक संबंधित थाने में कोई एफआईआर तक दर्ज नहीं करवाई।

सवाल यह भी उठ रहा है कि ये ट्रांले फर्जी टीपी पर अशोकनगर और गुना से इंदौर तक आए। रास्ते में कई चेक पोस्ट पार करने के बाद इंदौर पहुंचे। किंतु, कहीं दस्तावेजों की कोई जांच नहीं की गई। इससे यह आशंका और गहरी हो जाती है कि ट्कों के इस अवैध आवागमन में विभाग के बड़े अफसरों की मिलीभगत हो सकती है। शिकायतकर्ता ने डिट्टी रेंजर अनिता भंडोले की भूमिका पर भी सवाल उठाए हैं, जिन पर मामलों को नजरअंदाज करने का आरोप है। उद्देखनीय है कि जिस संदीप पर अब केस दर्ज किया गया, उसने कुछ समय पहले वनरक्षक जूनैद अली से मारपीट भी की थी।

डीएफओ प्रदीप मिश्रा के निर्देश पर की गई तजा कार्रवाई में संदीप के खिलाफ केस दर्ज किया गया और अब उसके कारोबार एवं फर्जी टीपी नेटवर्क की गहन जांच की बात कही जा रही है। विभाग का कहना है कि संदीप के खिलाफ ठोस कार्रवाई की जाएगी और दोषी अधिकारियों को भी नहीं बख्शा जाएगा।

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 3 की मौत

● शवों के उड़े चीथड़े, पॉलिथीन में बटोकर ले गई पुलिस

सहारनपुर (एजेंसी)।

यूपी के सहारनपुर के देवबंद में शनिवार सुबह एक पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई है। मौतों का आंकड़ा बढ़ सकता है, क्योंकि घटना के वक्त फैक्ट्री के अंदर 10 से ज्यादा लोग मौजूद थे। विस्फोट इतना शोरदार था कि पूरी बिल्डिंग ढह गई। शवों के चीथड़े 100 से 150 मीटर दूर तक जा गिरे। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि धमाके की आवाज 2 किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। विस्फोट के समय ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया हो।

सतना में अमुआ डैम में नहाने गए तीन बच्चे डूबे

गहरे पानी में उतर गए थे, ग्रामीणों ने निकाले तीनों के शव

सतना (नप्र)।

सतना जिले के धारकुंडी थाना क्षेत्र में शनिवार को अमुआ बांध में नहाने गए तीन आदिवासी बच्चे गहरे पानी में डूब गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी और आधे घंटे के भीतर तीनों के शव बाहर निकाल लिए। बच्चों के डूबने की खबर मिलते ही मझगवां तहसीलदार सोमेश द्विवेदी और धारकुंडी थाना प्रभारी शैलेंद्र सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों ने घटनास्थल का जायजा लिया और परिजन को हससंभव मदद का आश्वासन दिया। तहसीलदार ने मौके पर ही रेडक्रॉस के जरिए मृतकों के परिजन को 25-25 हजार रुपए की सहायता राशि दी।

बीएचईएल ने मिलकर बनायी है। उन्होंने वहां वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के लिए एक खास प्रोडक्शन लाइन बनाई है। टीआरएसएल के वाइस चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर उमेश चौधरी और बीएचईएल की डायरेक्टर बानी वर्मा ने इस प्रोडक्शन लाइन का उद्घाटन किया। टीआरएसएल को भारतीय रेलवे से 80 वंदे भारत स्लीपर ट्रेन सेट बनाने का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। यह कॉन्ट्रैक्ट टीआरएसएल और बीएचईएल के बीच एक समझौते के तहत हुआ है। उत्तरपाड़ा यूनिट में अब काम शुरू हो गया है। उम्मीद है कि पहली ट्रेन अगले साल तक बनकर तैयार हो जाएगी। इस फैक्ट्री में इंडस्ट्री 4.0 की खूबियां हैं और रोबोट से काम करने वाली लाइनें भी हैं।

कॉलेज छात्राओं को गांजा पिलाकर रेप करते, बनाते थे वीडियो

भोपाल में शादी-धर्मांतरण के लिए दबाव बनाया; आरोपी के दोस्तों ने भी किया दुष्कर्म

भोपाल (नप्र)। भोपाल में प्राइवेट कॉलेज की छात्राओं से रेप और ब्लैकमेलिंग केस में चौथी पीड़िता भी सामने आ गई है। आरोपियों ने इसका भी रेप करते हुए वीडियो बनाया और फिर ब्लैकमेल किया था। पुलिस को आरोपियों के मोबाइल में एक दर्जन से ज्यादा वीडियो विलप मिली हैं। पुलिस इन्हीं विलप्स के आधार पर पीड़िताओं से संपर्क कर रही है। अब तक जो पीड़िताएं सामने आई हैं उनमें दो सगी बहनें भी शामिल हैं। इनसे भी पुलिस ने वीडियो विलप्स देखकर ही संपर्क किया था। 24 अप्रैल को पुलिस ने इस मामले में तीन एफआईआर दर्ज की है। आरोपियों के खिलाफ रेप, अपहरण, धर्म स्वातंत्र्य और पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस अब तक 5 आरोपियों की पहचान कर चुकी है, जिसमें दो आरोपी फरहान और साहिल को गिरफ्तार किया गया है। बाकी तीन अबरार, अली और साद की पुलिस तलाश कर रही है। अली और साद पश्चिम बंगाल के रहने वाले हैं। मामले की जांच के लिए पुलिस ने एसआईटी का गठन किया है। एसआईटी इस बात की जांच करेगी कि क्या सोची समझी प्लानिंग के तहत इस वारदात को अंजाम दिया गया है?



अरोपी के मोबाइल में मिले कई और वीडियो- पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने केस के मुख्य आरोपी फरहान को पकड़ा। वह भोपाल के ऐशबाग इलाके का रहने वाला है। उसके पिता टैक्सी चलाते हैं। फरहान अभी भोपाल में एक प्राइवेट कॉलेज में एमबीए फाइनल ईयर का स्टूडेंट है। इसी कॉलेज से उसने अपनी बेवल्स की पढ़ाई की है। वह पढ़ाई के साथ-साथ सेकेंड हैंड कारो को खरीदने-बेचने का बिजनेस भी करता था। पुलिस ने जब फरहान का मोबाइल जब्त किया, तो उसमें पीड़िता के अलावा कई और लड़कियों के दर्जनों अश्लील वीडियो और फोटोग्राफ्स थे। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि फरहान पुराने वीडियो डिलीट कर चुका है। फरहान के फोन को आगे की जांच के लिए साइबर एक्सपर्ट्स के पास भेजा गया।

भोपाल में 4 पाकिस्तानी नागरिकों की हुई पहचान

27 अप्रैल तक देश छोड़ने का मिला आदेश, उल्लंघन करने वालों पर होगी कार्रवाई

भोपाल (नप्र)। विदेश मंत्रालय के निर्देश के बाद राजधानी भोपाल में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की तलाश तेज कर दी गई है। पुलिस ने शहर में रहने वाले चार पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की है। सभी को 27 अप्रैल तक देश छोड़ने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं। पुलिस कमिश्नर हरिनारायणचारी मिश्रा ने बताया कि लॉन्ग टर्म, डिप्लोमैटिक और ऑफिशियल वीजा होल्डर पाकिस्तानी नागरिकों को केवल वीजा की तय समय तक ही भारत में रहने की अनुमति है। वहीं, इलाज के लिए मेडिकल वीजा पर आए नागरिकों के लिए भारत में रहने की अंतिम तिथि 29 अप्रैल निर्धारित की गई है। इसके बाद उनका रहना अवैध माना जाएगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कमिश्नर मिश्रा ने आगे कहा कि सरकार के आदेश के पालन में भोपाल पुलिस ने सक्रियता दिखाई है। चिन्हित चारों पाकिस्तानी नागरिकों को नोटिस जारी कर दिए गए हैं और उन्हें तय समय सीमा के भीतर भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। साथ ही, शहर में यदि अन्य पाकिस्तानी नागरिक मौजूद हैं, तो उनकी तलाश भी जारी है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सरकार की छवि खराब करने वाली बयानबाजी पर एक्शन, पार्टी अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं करेगी : वीडी शर्मा

विधायक प्रदीप पटेल ने दी सफाई, सागर महापौर को नोटिस

● बीना नपाध्यक्ष और देवास महापौर पर भी एक्शन संभावित, सतना के पूर्व अध्यक्ष निष्कासित

भोपाल (नप्र)। बीजेपी ने सरकार की छवि खराब करने वाली बयानबाजी करने पर दो विधायक प्रदीप पटेल, प्रीतम लोधी, दो महापौर देवास की गीता अग्रवाल और सागर की संगीता तिवारी एवं बीना नगर पालिका अध्यक्ष को शनिवार को तलब किया था। तीन जनप्रतिनिधि उपस्थित हुए जिनसे अलग-अलग चर्चा के दौरान संगठन से पार्टी लाइन का पालन करने को कहा है। बुलाने पर भी न आने को लेकर सागर महापौर को नोटिस दिया जा रहा है। वहीं महिला से छेड़छाड़, अश्लील चैट वायरल करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में सतना के पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश शर्मा को पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। इस दौरान बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद रहे। बीजेपी संगठन ने साफ कहा है कि पार्टी जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं के बयानबाजी और कामों में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं करेगी। उधर, विधायक प्रदीप पटेल को सफाई देने के बाद भी नोटिस दिए जाने की संभावना है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मीडिया से चर्चा में कहा कि बीजेपी की अपनी कार्यपद्धति है जिसका पालन करना सभी की जिम्मेदारी है और अगर कोई इसका पालन नहीं करता है तो उसे समझाइश देने का काम होता है। उन्होंने कहा कि आज बुलाने के बाद भी सागर की महापौर संगीता सुशील तिवारी नहीं आई हैं, उन्हें बीजेपी नोटिस दे रही है। देवास महापौर से बात हुई है। बीना नगर पालिका अध्यक्ष, मऊगंज विधायक

प्रदीप पटेल आज बुलाने के बाद पार्टी दफ्तर पहुंचे थे। पिछरे विधायक प्रीतम लोधी को भी बुलाया था पर वे राजस्थान में हैं और शाम तक आएंगे। शर्मा ने कहा कि कभी कोई कार्यकर्ता चाहे वह



जनप्रतिनिधि हो या पदाधिकारी हो, अगर कुछ गलत बात करते हैं तो उन्हें बातचीत करने के लिए बुलाया जाता है। बीजेपी में अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं होगी। कभी-कभी आवेश में बातें हो जाती हैं जिसे ठीक किया जाता है।

ढूँढ़-ढूँढ़ कर लौटाएंगे पाकिस्तानियों को-

शर्मा ने मीडिया के सवाल के जवाब में कहा कि पाकिस्तानी नागरिकों को ढूँढ़-ढूँढ़ कर भेजा जाएगा। आतंकवाद के ताबूत में अंतिम किल पीएम नरेंद्र मोदी ठोकेंगे। अब हिसाब-किताब बराबर होगा।

आतंकवाद देश में नहीं चलेगा और सरकार हर तरीके से तैयार है। इसलिए तलब हुए जनप्रतिनिधि- बीजेपी के मऊगंज से विधायक दो दिन पहले नईगढ़ी थाने पहुंचे थे और वहां के थाना प्रभारी द्वारा गिरफ्तार किए जाने की धमकी देने के मामले में थाने में घंटों बैठकर

आतंकी हमले के विरोध में एमपी के कई जिले बंद

● इंदौर में व्यापारी बोले- कांग्रेस ने आव्हान किया था, इसलिए दुकानें बंद नहीं कीं

● हमने अपने एक कुत्ते का नाम पाकिस्तान रख दिया है : धीरेंद्र शास्त्री

भोपाल (नप्र)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का विरोध मध्यप्रदेश में जारी है। इंदौर में कांग्रेस ने बंद का आव्हान किया था, लेकिन ज्यादातर प्रतिष्ठान खुले रहे। व्यापारियों का कहना है कि हम आतंकी हमले की घटना से दुखी हैं, लेकिन कांग्रेस हिंदू विरोधी है इसलिए पूरे क्षेत्र को दुकान खुली रखी गई है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि गुस्सा इतना आ रहा है कि अगर हम सरकार में होते तो पाकिस्तान को बताते। दो-तीन दिन से गुस्सा चढ़ी है, इसलिए हमने अपने एक कुत्ते का नाम पाकिस्तान रख दिया है।

इधर, भोपाल में शनिवार को आतंकी हमले के विरोध में आधे दिन बाजार बंद रखे गए। दोपहर 2 बजे के बाद दुकानें खुलना शुरू हुईं। रायसेन, रतलाम और छतरपुर में भी व्यापारियों ने बंद का समर्थन किया है। बंद से इमरजेंसी मेडिकल सेवा को बाहर रखा गया है। 3 हजार मेडिकल स्टोर्स और थोक दवा दुकानें खुली हैं।

शिवपुरी में हाजियों ने काली पट्टी बांधकर जताया विरोध- शिवपुरी में हज यात्रा पर जाने वाले 42 मुस्लिम दंपती ने वैक्सिनेशन कराया। इस दौरान सभी ने हाथ में काली पट्टी बांधकर आतंकी हमले का विरोध जताया। शाही जामा मस्जिद के इमाम मुफ्ती सुभहानी ने कहा, इस प्रकार के हमले अमन और इंसानियत के खिलाफ हैं। केंद्र सरकार से हमारी मांग है कि ऐसे कायरतापूर्ण हमलों को अंजाम देने वाले आतंकियों पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। धीरेंद्र शास्त्री बोले- पदयात्रा कर हिंदुओं को जोड़ेंगे- बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने कहा, देश के कोने-कोने में



भोपाल

पदयात्रा कर हिंदुओं को जोड़ेंगे। गुस्सा इतना आ रहा है कि अगर हम सरकार में होते तो पाकिस्तान को बताते। दो-तीन दिन से गुस्सा चढ़ी है, इसलिए हमने अपने एक कुत्ते का नाम पाकिस्तान रख दिया है। उन्होंने कहा कि हिंदू ग्रामवासियों अपने देश के सम्मान के लिए कड़र हिंदू बनना शुरू कर दो। कड़र हिंदू बनकर किसी को मारना नहीं है, लेकिन जो छेड़ेगा उसे छोड़ना भी नहीं है।

आगर मालवा में जला आतंकवाद का पुतला- आगर मालवा में भारत रक्षा मंच व राष्ट्रीय हिंदू परिषद ने शनिवार दोपहर छावनी नाका

पीसीसी चीफ बोले-डीजीपी का आदेश वर्दी का अपमान

● पटवारी ने वीडियो जारी कर कहा- सांसद-विधायक को पुलिस कर्मियों से सैल्यूट कराना लोकतंत्र पर हमला

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस ने प्रदेश के पुलिस मुखिया डीजीपी कैलाश मकवाना के उस आदेश का विरोध किया है, जिसमें उन्होंने पुलिस अफसरों और कर्मचारियों को सांसदों और विधायकों को सैल्यूट करने के लिए कहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि पुलिस को जनप्रतिनिधियों के प्रोटोकॉल का पालन करने के लिए कहा जाए न कि सत्ता के घमंड में पुलिस का मनोबल तोड़ने का काम कराया जाए।

मोहन सरकार वर्दी को सम्मान और संसाधन दे। पटवारी ने इस आदेश को लोकतंत्र पर हमला और वर्दी का अपमान कहा है। उन्होंने अपनी आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि जिस दिन यह आदेश मंजूर किया गया, उसी दिन प्रदेश की वर्दी को राजनीतिक गुलामी में धकेल दिया गया। उन्होंने सरकार से इस तरह का आदेश वापस लेने की मांग की है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी ने शनिवार को एक बयान जारी करते हुए कहा कि जिस समय राज्य की कानून व्यवस्था रसातल में पहुंच चुकी हो, पुलिस खुद अपराधियों के निशाने पर हो, ऐसे समय में राज्य सरकार पुलिस को न्याय दिलाने की बजाय सत्ता के प्रतीकों के सामने झुकने का फरमान सुना रही है। यह आदेश जनतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों और संविधान की आत्मा जनता सर्वोच्च है का भी अपमान है। पटवारी ने कहा कि प्रदेशभर में रेत, शराब, भू-माफिया और ट्रांसपोर्ट सिंडिकेट खुलेआम पुलिस को चुनौती दे रहे हैं। पिछले

6 महीने में पुलिस पर हमले की दर्जनों घटनाएं, थानों पर हमले, जवानों को पीटना, राजनीतिक संरक्षण में अपराधियों को बचाना जैसी अनेक घटनाओं ने पुलिस की साख पर सवाल खड़े किए हैं। एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि महिलाओं, बच्चों और दलितों के खिलाफ अपराध में मध्य प्रदेश टॉप पर है। पटवारी ने भाजपा सरकार के निर्णय से असहमति जताते हुए कहा कि पुलिस का मनोबल पहले ही कमजोर है। वह एक ओर अपराधियों से लड़ रही है, तो दूसरी तरफ भाजपा नेताओं के दबाव से जूझ रही है। और अब यह आदेश उन्हें और भी कमजोर, झुका हुआ और भयभीत बना सकता है। पुलिस की निडर और निष्पक्ष कार्यप्रणाली में सत्ता दल के नेताओं का दखल बढ़ सकता है।

किसी योग्य व्यक्ति को बनाएं गृहमंत्री

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को प्रदेश का सबसे असफल गृहमंत्री बताते हुए फिर से यह मांग की है कि उन्हें किसी योग्य व्यक्ति को गृह मंत्रालय का दायित्व देना चाहिए। उन्होंने यह सवाल भी उठाया कि क्या यह निर्णय भाजपा नेताओं की मांग थी? यदि यह आदेश भाजपा नेताओं के दबाव में लिया गया है, तो यह स्पष्ट है कि भाजपा की मंशा पुलिस को स्वतंत्र नहीं, सत्ता का सेवक बनाना है। उन्होंने राज्य सरकार से यह भी पूछा कि क्या भाजपा के सांसद-विधायक यह चाहते हैं कि पुलिस उन्हें विशेषाधिकार के तहत सलामी दे? क्या यह आदेश उनके अहंकार की तुष्टि के लिए लाया गया है?

रीवा एवं इंदौर मेडिकल कॉलेज के उन्नयन का प्रस्ताव शीघ्र तैयार करें : उप मुख्यमंत्री शुक्ल



डॉक्टरों की संविदा नियुक्ति अवधि 70 साल होगी,प्रस्ताव होगा तैयार

स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा की

डिटी सीएम ने मांगे प्रस्ताव; जल्द भर्ती के लिए पीएससी के अफसरों के साथ भी कर चुके बैठक

भोपाल (नप्र)। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा है कि प्रदेश सरकार, स्वास्थ्य सेवाओं को जनसामान्य के लिए सुलभ, उच्च गुणवत्ता युक्त और व्यापक बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। वरिष्ठ चिकित्सकों के अनुभव, आधुनिक मेडिकल कॉलेजों का सुदृढ़ आधार और समय पर नियुक्ति की प्रक्रिया से प्रदेश के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने भोपाल स्थित निवास कार्यालय में स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग से जुड़े विभिन्न विषयों की गहन समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने प्रदेश में वरिष्ठ विषय विशेषज्ञ चिकित्सकों के अनुभव का लाभ उठाने के उद्देश्य से, उन्हें 70 वर्ष

की आयु तक संविदा सेवा देने के लिये प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए। प्रस्ताव कैबिनेट अनुमोदन के लिए शीघ्र प्रस्तुत किया जाएगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि अनुभवी चिकित्सकों की सेवाएं प्रदेश के चिकित्सा संस्थानों की गुणवत्ता में वृद्धि करेंगी साथ ही यह निर्णय चिकित्सकों की कमी की पूर्ति करने में भी सहायक होगा। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने रीवा और इंदौर के मेडिकल कॉलेजों के उन्नयन का विस्तृत प्रस्ताव शीघ्र तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि इसके लिए कॉलेजों का अधोसंरचना विकास, अत्याधुनिक उपकरणों की व्यवस्था अन्य आवश्यक कार्य भी समय से पूर्ण किए जाएं। श्री शुक्ल ने मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के माध्यम से मेडिकल ऑफिसर और विशेषज्ञ चिकित्सकों की भर्ती प्रक्रिया समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि एमपीपीएससी के साथ नियमित संपर्क में रहते हुए सभी आवश्यक औपचारिकताओं को तत्काल प्राथमिकता से पूरा किया जाए ताकि स्वास्थ्य सेवाओं को और सुदृढ़ किया जा सके।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने निर्देश दिए कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित ऑनलाइन ट्रांसफर पोर्टल (ई-एचआरएमएस) की तैयारी पूर्ण कर ली जाए।

भोपाल एम्स में 9वां किडनी ट्रांसप्लांट सफल

बिहार के 24 साल के युवक को मां ने की डोनेट; अब पीडियाट्रिक ट्रांसप्लांट की तैयारी



भोपाल (नप्र)। भोपाल एम्स में डेढ़ साल से किडनी की बीमारी से जूझ रहे युवक का 21 अप्रैल को किया गया ट्रांसप्लांट पूरी तरह से सफल रहा। पिछले डेढ़ साल से किडनी रोग से पीड़ित बिहार के 24 वर्षीय युवक को उसकी मां ने अपनी किडनी दी है। युवक को पेरों में सुजन और कमजोरी के कारण एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उसे किडनी फैलियर की जानकारी मिली और डॉक्टरों ने ट्रांसप्लांट की सलाह दी। एम्स दिल्ली में चार महीने लंबी वेंटिंग लिस्ट के चलते मरीज बेहतर विकल्प की तलाश में भोपाल एम्स पहुंचा। यहां डॉक्टरों ने तुरंत आवश्यक जांचें शुरू की। क्रॉस-मैचिंग में युवक को किडनी उसकी मां से मेल खा गई। मां ने बिना किसी हिचकिचाहट के अपनी किडनी दान करने का फैसला किया। 21 अप्रैल को ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया गया। यह एम्स भोपाल में हुआ नौवां किडनी ट्रांसप्लांट है।

पीडियाट्रिक किडनी ट्रांसप्लांट की तैयारी

एम्स में ऐसे बच्चे भी हैं जिनका पीडियाट्रिक किडनी ट्रांसप्लांट होना है। इनमें से एक बच्चे की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। डोनर और रिसीवर के बीच मैच होने के बाद ट्रांसप्लांट किया जाएगा। एम्स भोपाल में पहला किडनी ट्रांसप्लांट 22 जनवरी 2024 को हुआ था, जिसमें परिवर्जनों ने किडनी दान की थी।



३. सान परिस्थिति बस कहीं पर भी रहने को मजबूर रहे या सज्ज रहे पर मन जन्मस्थली में पहुँच जाने को तड़पता ही रहता है। माँ, माँ ही होती है उसका स्थान कोई दूसरा नहीं ले सकता। उसका आपक जीवन में होना तब सम्भव में आता है जब वो हमारे बीच नहीं होती। हमारी कला के साथ भी कुछ ऐसा ही है। हमारी कला को भी ऐसे ही आगे बढ़ना चाहिए अपने माँ बाप पुरुषों के जुड़ाव के साथ। कला में परिवर्तन होता रहना चाहिए और भी रहा है पर थाती सहेजते हुए। ऐसे कई कलाकार हैं जिनकी कला वैश्विक स्तर पर छाई हुई है और सराही भी गई है। उन्हीं में एक कलाकार है जिनके रंग-रेखा एक दूसरे से भिन्न राह पर चलते हुए भी अलग-अलग अपने अस्तित्व को समझल कर चलने में सफल हुए हैं। रंगों का ऐसा उठा पटक वो भी गम्भीर और हल्के हर मुद्रों पर, रेखाओं के साथ और अलग दोनों दशाओं पर इनके पहले शायद ही कोई कलाकार किया हो और ये कलाकार हैं जो की सुब्रमण्यम जिनाका जन्म केरल के एक पण्डित परिवार में हुआ। सुब्रमण्यम शुरू में माक्स और गाँधी के विचारों से प्रभावित हो आगे बढ़ते रहे परन्तु जेल में रहते हुए अपनों से धोखा खा चुकने के बाद उनका ऐसे परिस्थितियों से मोहभंग हो गया जिहाँ सिर्फ और सिर्फ वादे थे जो समय आए पर धराशायी हो चुके थे, सुब्रमण्यम विचलित हो उठे परिणामतः उनके कदम कला के ओर उन्मुख हो उठे। उनके इस निर्णय के पीछे कुछ हद तक सुपरिचित भारतीय कला आलोचक आनन्द कुमार स्वामी के लेख भी थे जिसके सम्पर्क में थे अभी-अभी आये थे। सुब्रमण्यम प्रयोगधर्मी थे फिर चाहे वो कला के क्षेत्र में ही या जीवन के गूढ़ से गूढ़, विषय से विषय परिस्थितियों में, उनका प्रयोग जारी ही रहता। बड़े जेहोदजहद के बाद इनका दोखला शान्तिनिकेतन में कला दिया गया जहाँ नन्दलाल बोस, रामकिंकर बैज और विनोद बिहारी मुखर्जी सरखे महान कलाकारों का सानिध्य मिलते ही इनके व्यक्तित्व और कला दोनों में निखा आ गया पर संघर्ष निरंतर जारी रहा, रंग रेखा और भावों के बीच लगातार ये द्वंद मय रहे।

सैर कर दुनिया के गाफिल जिंदगानी फिर कहाँ,
जिंदगानी गर रही तो नौजवानी.... इस विचार से भी
शायद इनकी सहमति बराबर बनी रही इनके भ्रमण और

परिस्थितियों से जुड़ाते सुब्रमण्यम के भावयुक्त चित्र

हमारी कला को भी ऐसे ही आगे बढ़ना चाहिए अपने माँ-बाप पुरखों के जुड़ाव के साथ। कला में परिवर्तन होते रहना चाहिए और हो भी रहा है पर थाती सहेजते हुए। ऐसे कई कलाकार हैं जिनकी कला वैश्विक स्तर पर छाई हुई है और सराही भी गई है। उन्हीं में एक कलाकार है जिनके रंग-रेखा एक दूसरे से भिन्न राह पर चलते हुए भी अलग-अलग अपने अस्तित्व को सम्हाल कर चलने में सफल हुए हैं। रंगों का ऐसा उठा पटक वो भी गम्भीर और हल्के हर मुहों पर, रेखाओं के साथ और अलग दोनों दशाओं पर इनके पहले शायद ही कोई कलाकार किया हो और ये कलाकार हैं के जी सुब्रमण्यम जिनका जन्म केरल के एक पण्डित परिवार में हुआ। सुब्रमण्यम शुरु में मार्क्स और गाँधी के विचारों से प्रभावित हो आगे बढ़ते रहे परन्तु जेल में रहते हुए अपनों से धोखा खा चुकने के बाद उनका ऐसे परिस्थितियों से मोहभंग हो गया जहाँ सिर्फ और सिर्फ वादे थे जो समय आने पर धराशायी हो चुके थे, सुब्रमण्यम विचलित हो उठे परिणामतः उनके कदम कला की ओर उन्मुख हो उठे।

ग्राजाओं का ही असर है कि इसकी कला शुरु से ही सीमाओं से परे की कला रही है। पंथी, नदियां, पवन के झोंके कोई सरहदा ना इहें पार के गीत का कलाक असर दिखाय पड़ता है सुलभ प्रेम के जीवन में। ये आजाद पंथी की तरह सदा ही विचरते रहते थे तभी इसकी कला, काल परस्परित्यक्त सरहद यहाँ तक फैल पाया में से परे की कला थी तभी तो रेखांकन चाहे चारकोल से हो या वैसे भी, में रंग अपने मौलिक रूप में प्रयोग में लाया गया है, जो भी चरख और सपाट बिना किसी लाग लपेट के। शांतिनिकेतन के हिंदी भवन में विनोद बिहारी मुहोपाध्याय के साथ म्यूरल बनाने या कहें सीखने का हल्का सा मौका क्या मिला म्यूरल में भी प्रयोग पे प्रयोग कर डाला गया इनके द्वारा जिसका प्रभाव लखनऊ के रिविंद्रालय के बाहर लगभग 9 फिट ऊँचे टेराकोटिड म्यूरल में देखा जा सकता है जिसकी लंबाई लगभग 81 फिट है या फिर दिल्ली के गाँधी दर्शन म्यूरल में भी। सुब्रमण्यम बड़े ही लगन के साथ अपने कलाकृतियों में रमते रहते थे और पढ़ने पर, समझने पर भी ध्यान डालता था इसके साथ ही कला के मनोवैज्ञानिक पक्ष पर भी इनकी अच्छी पकड़ थी। छात्रों को सिखाते समय भी हर बंधन से परे रखा इन्होंने ताकि बच्चे कला में कुछ अपन कर सकें। छात्रों से गम्भीर से गम्भीर मुद्रों पर बहस करना वो भी बिस्फुलक ही सहज तरीके से इनके विद्वता की ही परिचायक थी।

अकबर पदमसी के शब्द अगर उधार लें कि 'बहुत मुस्कराना, जिसे हँसना कहते हैं वह सस्ता लगता है या कह सकते हैं मौन जहाँ है वहाँ ज्यादा सम्वेदना और गरिमा है' इनके चित्रों में भी हंसी जहाँ भी है हल्कापन



ही महसूस कराती है साथ ही व्यंग्यता लिए है हास परिहास युक्त मुस्कान है जो एकबारगी अपने हल्केपन को खुद में समेटने का प्रयास भी करती है। इनकी अधिकतर कृतियाँ मौन हैं पर गम्भीर और संवेदनयुक्त हैं। मौबौटों की भी अधिकता है। चित्र 'अनइजी इन्टरियस' जिसमें गहरे और हल्के भरे रंगों का प्रयोग बीच-बीच में आड़ी

तिरछी रेखाओं के मध्य सफेद, बैंगनी और नीले रंगों का मुखांश में समा जाना वो भी कुछ व्यग्र रेखाओं के साथ, रंगों का टूटते हुए क्रम में प्रयोग भी अस्थिरताओं को जगह देती है। नारंगी रंगों का प्रयोग भी दर्शनीय है। चित्र में स्पष्ट आकार ना होते हुए भी व्यग्रता स्पष्ट है जो इनके चित्रों की विशेषता है।

शुरुआती दौर में बंगाल शैली को इन्होंने भी जीना शुरु किया था लेकिन जल्द ही अंदर की तड़प इन्हे इस मार्ग से विरत होने का आग्रह करने लगी और कुछ ही समय बाद इनके चित्रों में अपना अधिकार अपना स्ट्रोक, अपने विषय और अपनी शैली में दृष्टिगोचर होने लगे, माध्यम के साथ-साथ फलक पर प्रयोग भी जारी रहा फलतः कैनवस पर ही बंधे रहने की अपेक्षा प्लास्टिक सीट और एक्रेलिक सीटों पर भी काम करने का सिलसिला चल निकला। कहना गलत न होगा कि सुन्नमण्यम निर्मल जल की तरह बहते हुए अपने कला यात्रा की ही। रास्ते में जो भी रंग, गुण, पदार्थ मिलता गया अपने में आत्मसात् करते गये पर अपने जल होने के अस्तित्व के साथ, तभी तो स्लेड स्कूल ऑफ आर्ट, लंदन जहाँ 1955-56 में जाने के मौके के बाद लार्गम 57 से लेकर 61 तक हैन्डलूम बोर्ड मुंबई में बिताने के बाद इनके चित्रों में सामाजिक मिश्रकों का भी समन्यव रूप दिखाई पड़ने लगता है और बच्चों के खेलौने को इन्होंने खेल-खेल में बनाए होंगे एक बार फिर से बाल्यन को समझने के मौके को हथिया लिया इसी बहाने। बच्चों के लिए

इलेस्ट्रेशन बनाए कहानियाँ भी लिखी इन्होंने। मध्ययुगिन लघु चित्रण, पक्षर गुफाओं में अँकित जनजातीय भित्ति चित्रण से रांग-रेखाओं को उसी अंदाज में कुछ चटकता के साथ उठाना, लोक कलाओं को चारकोल और चटख रंगों में पिरो देना, टेक्सटाइल स्टाइल को नये अंदाज में अपने चित्रों में समाहित कर लेना एक नये सिद्धांत के जनक तो आप खुद ही हो गये हैं लेकिन पूर्व के कुछ विद्वान जो आपके चित्रों में इन सभी विशेषताओं के साथ ही यह भी मानते हैं कि भारतीय शिल्प के साथ पाश्चात्य के विविध सिद्धांत आपके कला में समायोजित है को मैं भी मान लेता हूँ पर मझे की बात यह है कि अंतर्मान मानने को तैयार नहीं हैं। आपके चित्रों की अपन और सिद्धांत भी आपकी ही हैं। आपकी यात्राएँ ही आपके विचारों आपके नजरियें में सागर सी अथाह गहराई के कारण हैं। इनकी अधिकतर कृतियाँ अशीर्षक ही रही हैं मतलब साफ है कि ये देशक को भी अपने स्तर पर सोचने को स्वतंत्र छोड़ देते थे बंधन और सीमाओं से परे। रक्तिम आँखों के बीच हरी-हरी पुतलियाँ नष्ट हो चुके परिश्रम में भी उम्मीद की किरण साबित हुई हैं। स्त्री पुरुष विनोद में भी व्यंग्य साफ झलकता है। कठपुतली जैसे चेहरों से भी भाव झलक रहा है। बरा स्टोक लगभग हर कमियों पर भारी है। इनके अधिकतर चित्र परिश्रम विहीन से लगते हैं पर भाव और खुबसूरती में कहीं से भी बटु नहीं लगता। आप अंत में उनके ही शब्दों में कहें तो चित्रकृति ऐसी हो जो गूँजती रहे। स्मृति में बनी रहे। इस आशा के साथ कि सुमगण्यम की कलाकृतियाँ भी सभी के जेहन में सदा बसी रहेंगी। आज जबकि वो हमारे बीच नहीं हैं अपने कृतियों के साथ हमारे और आपके बीच रहेंगे। कलाकृति साभार गूगल से है।

पुस्तक समीक्षा

रमेशचंद्र पंत

समीक्षक



साहित्य की गुमटी' प्रसिद्ध कवि एवं व्यंग्यकार धर्मपाल महेन्द्र जैन का समय एवं समाज में व्याप्त विरूपताओं को प्रशङ्का करने का एक महत्वपूर्ण उपक्रम है। इस संग्रह-विशेष में कुल 48 व्यंग्य-आलेख सम्मिलित हैं। विषय-वैविध्यता की दृष्टि से संग्रह पठनीय एवं विशिष्ट है। 'रेवड़ी बॉटने वाले मालामाला' राजनीति में इन दिनों व्याप्त थूतताओं का कच्चा-चिद्ध है। राजनीतिज्ञ किस तरह जनता में रेवड़ी बॉटकर स्वयं अकुल संपत्ति अर्जित कर रहे हैं, इसी का रेखांकन है। 'गम्पर घोषणाओं के जमाने में' राजनेताओं द्वारा अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए समय-समय पर की जाने वाली निरर्थक घोषणाओं को प्रशङ्काकर किया गया है। 'सकार बनेगी तो कचरा हटेगा' में दिल्ली में कचरे को लेकर जो राजनीति की जाती रही है, उस पर सटीक व्यंग्य है। 'ईडी है तो प्रजातंत्र स्थिर है' व्यंग्य में भी कहीं-न-कहीं राजनैतिक चरित्र पर सवालिया दृष्टि डाली गई है।

‘हर जिले में विधान सभा बनाएंगे’ में भी निजी स्वार्थों के लिए किस हद तक वैचारिक स्थिरता हो गई है, उसी का सम्यक अंकन है। ‘भाग की खुशामरी में मंत्री जी’ में सटीक व्यंग्य देखिए, ‘राजनेताओं को राजनीति करने दे वें मजबूत होंगे तो दंगे-फसाद-आंदोलन करवाएंगे। उनके अपरोक्ष हिंसा भड़काने से अंततोगत्वा कुछ लोग मरेगा और देश कुछ मजबूत होगा।’ ‘जहाँ राजनेता उठते हैं वो देश है मेरा’ व्यंग्य आलेख में भी देखिए, ‘देश की मिट्टी है ही ऐसी सुजलाम-सुफलाम कि बिना खाद, बिना पानी, बिना बीज के राजनेता उगा आते हैं। वे उगते ही प्रदूषित हवा और नदी-नालों में सड़ रहे पानी में संधर्ष करते हैं और पनप जाते हैं। पनपते हैं तो छ जाते हैं।’ ‘प्रजातंत्र की अंगूठी’ में भी राजनीति के गिरते स्तर पर चिंता व्यक्त की गई है। ‘बजट की दफ्तली और छुट्टैया राग में’ बजट को लेकर देखिए, ‘कोई भी बजट हो वह गरीबी हटाता ही है। बस, गरीबी किसकी हटेगी यह कोई नहीं समझ पाता। यदि आप आप आ आदमी हैं तो बजट से परेशान न हों, जो सबका हथ्र होगा वह ही आपका होगा।’ ‘कुसी एक चांदीलाल अनेक’, ‘चिपको और जूस भरो’, ‘साइब को जुकाम है पर...’, सरकार तुम ट्रिलियन हम पाई’ में भी राजनैतिक विस्फालियाँ पर प्रहार किया गया है। सच तो यह है कि राजनीति में व्याप्त असंगतियाँ सभी व्यंग्यकारों के लिए लेखन का उनका प्रिय विषय रही हैं।

इन दिनों हर कोई बिना नागा ब्लाटसएप एवं फेसबुक पर जीमैन में लगा है। 'वॉट्सएप नहीं भाट्सएपे' व्यंग्य आलेख में व्यंग्य की धार देखिए, 'रात के बारह बज गए हैं। निशाचरों के रजनात्मक लेखन का समय हो गया है। सारा देश जब सो रहा हो तब साहित्यकारों और उल्लुओं को अपना कर्तव्य निबाहना होता है।' 'लाइक बटोनें और कमाओ' में फेसबुक पर लोग इतने एडिक्ट हो गए हैं कि लाइक और कमेंट जैसे उनके जीवन का सार बन गया है। व्यंग्यकार की दृष्टि में, 'जिंदा हो तो फेसबुक पर

साहित्य की गुमटी

धर्मपाल महेंद्र जैन

साहित्य की गुमटी

धर्मपाल महेंद्र जैन

दिखा करो। मेरी टाइमलाइन पर एक मिनट पीड़ियो देखो और कमेट करो तो मुझे मालूम पड़े कि अपना नया दिनांक है।' 'आज के भक्तिकाल में' साहित्यकार प्रसिद्धि की कामना में क्या-कुछ रचने-बुनने लगता है, उसका रोचक वर्णन- 'अल्प समय में ही वे विधायकजी इक्कीसा, सांसदजी चालीसा, मुख्यमंत्रीजी शतक लिखकर छा गए। जिन पाठकों पर उन्होंने दो लाइनें लिखी थीं, वे अब पूरा पेज लिखवा सकने वाले चेयरमैन बन गए थे। कविता का समकाल उनके प्रशस्ति काव्य से गुलजार था। वे इक्कीसवीं सदी के भक्तिकाल के मुख्य कवियों की पंगत में थे।'

‘संस्कृति संक्रामक बीमारी है’ में छात्र, अध्यापक, प्रोफेसर, वकील, थानेदार, बाबू, सेक्रेटरी, राज्यमंत्री, नेता प्रतिपक्ष, जनवादी लेखक, दुकानदार, संपादक, चुनावी रणनीतिकार, डॉक्टर, पशु चिकित्सक, प्रवासी साहित्यकार एवं किसान सभी अपने-अपने कोण से संस्कृति की व्याख्या करते हैं। ‘संस्कृति ढंक कर रखने की चीज है’ में व्यंग्य-‘उनके लिए भारतीय संस्कृति अजाबखबर या किसी कोने में पड़े कलसे से उठाई गई चीज है। हमें इस संस्कृति के बलबूते पर दुनिया में झंडा गाड़ना है। भला मैं उन्हें कैसे खेलकर बता दूँ

भारतीय संस्कृति।' धर्म-अधर्म के ऊहापोह के बीच व्यंग्यात्मक स्थिति देखिये- 'नाम संस्कारी हो तो जूते खाओ' में- 'सोचता हूं अपना नाम बदल कर शब्द कर लूं। यह इकतीसवीं सदी का प्रतिनिधि अधर्म है। इस पर सनातनी या तानतानी होने की संभावना भी नहीं है। गलत काम करके भगवान को प्रसाद चढ़ाने से डंके की चोट पर सुरक्षा का आशीर्वाद मिल जाता है।' 'धर्म रक्षक सदाचारी' में व्यंग्य, 'सदाचारी ने खुद को समझाया- धर्म की रक्षा के लिए की गई हत्या पाप नहीं होती। जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है, धर्मो रक्षति रक्षितः।' संग्रह में सम्मिलित अन्य सभी व्यंग्य-आलेख भी समय एवं समाज में व्याप्त विरूपताओं के ही रेखांकन हैं। वैयक्तिक आचरण एवं व्यवहार के साथ-साथ इस समय जो संस्थागत विचलन दिखाई दे रहा है, व्यंग्यकार ने उन सभी पर सटीक लेखनी चलाई है। सभी व्यंग्य-आलेख हमें कहीं भीतर तक कुछ-न-कुछ रचनात्मक करने-सोचने के लिए विवश करते हैं।

पुस्तक : साहित्य की गुमटी (व्यंग्य संग्रह)
लेखक : धर्मपाल महेन्द्र जैन
प्रकाशक : शिवना प्रकाशन, सीहोर
मूल्य : रु. 275



स्त्री को बोया मानने की मानसिकता वाले पुरुषों की लालसा को लेकर चुनी गई वेबसिरीज - 'खौफ' को हम हॉरर सिरीज की संज्ञा देकर उसके साथ न्याय नहीं कर पायेंगे। इस सिरीज को यदि हम जोरने के खतों में दर्ज करना चाहें तो उस एक हॉरर सिरीज नहीं साइको थ्रिलर कहना उपयुक्त रहेगा। इस वेबसिरीज में समाज के उस दर्जे के लोगों की मानसिकता को दिखाया गया है, जो नौकरी करने वाली महिलाओं को गलत नजरिए से देखते हैं। पिछले कुछ सालों से भारतीय सिनेमा में 'हॉरर फिल्म' बनने का चलन काफी बढ़ गया है, लेकिन अगर उसमें साइको थ्रिलर का छँक भी लगा दिया जाये तो आस्वाद के स्तर पर बढ़ोतरी स्वाभाविक ही कहीं जायेगी और - 'खौफ' में आपको यह देखने को मिलेगा। इस सिरीज के साथ कुछ ऐसा हुआ है कि कहने को ये हॉरर बेस्ट है, मगर इसमें अलग-अलग मुद्दे दिखाए गये हैं। यह समाज के लिए आईना भी है और उन लोगों के लिए सबक भी जो या तो बहुत ज्यादा अर्धविवश्राम में जीते हैं या इन सब बातों को बिल्कुल नहीं मानते और कहते हैं भूत प्रेत जैसा कुछ होता ही नहीं और महिलाओं को अपनी सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए या कुछ गलत हो जाए तो उन्हीं की गलती होगी, ऐसा सोचने वालों को यह वेबसिरीज जरूर देखनी चाहिए। 'खौफ' में महत्वाकांक्षी औरतों की कहानी दिखाई गई है, जो अपने घर से दूर एक हॉस्पिटल में रहने आती हैं और एक गलती के कारण वहीं कैद होकर रह जाती हैं।

सिरिज की कहानी केन्द्रित है मधु नाम की एक लड़की के आसपास (एक भूमिका को मौनिका पंवार ने निभाया है)। वह ग्यालिफर से दिल्ली नौकरी के लिए आती है और शहर से हटके एक होस्टल में रहने लगती है। उसके कमरे का नंबर 333 है और इसे एक भूतिया कमरा कहा जाता है। उसके आसपास के कमरों में रह रही लड़कियाँ पहले उसे वहाँ रहने के लिए मना करती हैं, लेकिन वो उनकी बात नहीं सुनती, जब तक उसे खुद वहाँ किसी बुरी आत्मा के होने का अनुभव नहीं हो जाता। मधु का अतीत काफी डरावना है और दिल्ली आकर उसके पुराने गांव फिर से हरे होने लगते हैं, साथ ही वो अपने साथ हो रही अजीबोगरीब चीजों से भी परेशान है। वहीं दिल्ली के एक पुराने इलाके में एक हकीम

कविता

कारुलाल जमड़ा 'कारुण्य'

वैशाख !
तुम्हारा आना
कर देता है भाव-विभोर
क्योंकि तुम लाते हो
वैवाहिक वर्षगांठ
माँ-पिता सहित सहस्रों की

तुम्हारे आते ही
याद आ जाती है
पिंले घड़े पर उत्कीर्ण संवत् 2022 की द्वितीया और माँ की कथाएं।

माँ ने कहा था
कि इसी दिन वह ब्याही थी
पिताजी के साथ

रहता है, यह भूमिका रजत कपूर ने निभाई है, उससे मदद माँगती है। कई मोड़ और घटना-दुर्घटना के बाद एक सस्पेंस पर आकर सिरीज थमती है गोया खौफ का सीक्रेल भी आ सकता है।

आठ एपीसोड की यह वेबसिरीज लगभग छह घण्टे में पूरी होती है। इसका हर एपीसोड लगभग 45 मिनट का है। इस सिरीज का विषय काफी सोच समझकर लिया गया है, मगर कहानी काफी धीमी लग सकती है। निर्देशन की बात करें तो इस सिरीज को खूफनाक बनाने के लिए कई जाह अंधेरे वाले सीन दिखाए गए हैं, लेकिन वो इतने डरकं है कि उस बीच आपको एक्टर्स के चेहरे भी नहीं दिखेंगे। इतने सीन



जंगल में शूट किए गए हैं और ये सिर्फ डायलॉग सुनकर ही पता चलता है, सीन में ठीक ढंग से कुछ भी दिखाई नहीं देता है।

इस सिरिज में दिखाया गया है कि जितना लोभ भूत से डरते हैं उससे कहीं ज्यादा डराने पर कुछ आदमी होतै हैं जो महिलाओं को अपना शिकार बनाते हैं। लेखिका समिता सिंह ने इस सिरिज में दिसंबर वर्ष 2012 में हुए निर्भया काण्ड का जिक्र भी किया है और दिखाया है कि महिलाओं को लेकर दरिंदे कैसी सोच रखते हैं। जो महिला नैकी कर रही है और दर रात में अपने घर लौटती है उसे ये सिरिज जरूर देखनी चाहिए। हमारे देश में महिलाओं के अधिकार और उनकी सुरक्षा को लेकर कुछ तरह की बातों की जाती हैं, लेकिन यथा वास्तव सज्जमान में महिलाएं सुरक्षित हैं? इसकी कहानी को बताया गया है अमेजन प्राइम पर आई इस वेबसिरिज में। कबने को तो ये एक हॉरर वेबसिरिज है, जिसमें सुपर नेचुरल चीजों के बारे में दिखाया गया है, मगर दूसरा पहलू वेबसिरिज में ऐसे वर है महिलाओं की सुरक्षा की तजवीज, शायद इस वेबसिरिज में उसे ही दर्शाने की कोशिश की गई है।

પ્ર, તુમ્હારા આના

फिर वर्षों बाद मैंने इसका जिक्र देखा था उस घड़े पर।

तुम्हारे आने के बाद
आती है याद
खलिहान से आने वाले अनाज की
और दिखाई पड़ते हैं मेरे माँ और पिता
सर पे पोटला लादे घर की ओर आते हुए।

तुम्हारे आने से
लौट आते हैं बचपन के संघर्ष
माँ-बाप के मेहनती चेहरे
और अनाज आने की खुशी में खिलखिलाते
हम भाई-बहन के स्मरण !

बदला मौसम का मिजाज, बादल छाने से लुढ़का तापमान



बैतूल। बैतूल में तेज गर्मी के बीच मौसम ने अचानक करवट ली है। आसमान पर बादल छाने से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। इस बीच मौसम विभाग ने बारिश की संभावना जताई है। इससे बढ़ते तापमान से राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि सूरज की लूका छिपी से तापमान में उतार चढ़ाव का दौर जारी है। मौसम विभाग ने बैतूल और उसके पड़ोसी नर्मदापुरम, पण्डुरना, छिंदवाड़ा समेत 20 जिलों में बारिश होने की संभावना जताई है। आने वाले 3 दिनों में भी बारिश की संभावना जताई गई है। लेकिन आसमान पर बादल छाने के बाद इसके तुरंत ही छंट जाने से फिर गर्मी का कहर बढ़ गया है। शुरुवात को तापमान 40 पर होकर 40.8 डिग्री पर पहुंच गया था। लेकिन शनिवार को आसमान पर आंशिक बादल छाने से तापमान में हल्की गिरावट दर्ज हुई है। शनिवार का तापमान 38 डिग्री के आसपास बना हुआ है। बता दे कि इस सप्ताह में 23 अप्रैल को सर्वाधिक 41.4 डिग्री सेल्सियस तापमान था, जो इस सीजन में अब तक का सर्वाधिक तापमान है। जिले में 18 अप्रैल को अधिकतम तापमान 39.7 डिग्री सेल्सियस था। 19 अप्रैल को तापमान बढ़कर 40.5 डिग्री सेल्सियस हो गया। इसके बाद से अधिकतम तापमान में आधा और एक डिग्री की बढ़ोतरी हुई है।

पेंशनर संघ 60 प्लस लालबाग गुप की संवेदनशील पहल, पक्षियों की प्यास बुझाने दांगें सकोरे

धार। पेंशनर संघ 60 प्लस लालबाग गुप के सान्निध्य में वरिष्ठजनों ने पक्षियों को गर्मी से राहत दिलाने एवं उनकी प्यास बुझाने के लिए शहर के लालबाग में सकोरे दांगें व नियमित पानी भरने की



व्यवस्था सभी वरिष्ठजन करेंगे। इस अवसर पर अध्यक्ष कैलाशचंद मालवीया, कुटो जी, वर्मा जी, रायजी जी, महेश महेश्वरी, डांगी जी, नारायण कुबेर जोशी, चौधरी जी, मोहनलाल जोशी, गोयल जी, दामोदर जी, बैरागी जी सहित वरिष्ठजन उपस्थित थे।

गर्मी की तपिश से पक्षियों को राहत के लिए लालबाग में सकोरे दांगें, पानी की व्यवस्था भी करेंगे सीनियर सिटीजन- प्रचंड गर्मी से नागरिक भी नहीं वरन् पक्षी भी परेशान है। गर्मियों में पक्षियों को शीतलता और उनकी प्यास बुझाने के लिए पेंशनर संघ 60 प्लस लालबाग गुप द्वारा सराहनीय पहल करते हुए गर्मी की तपिश से पक्षियों को राहत के लिए लालबाग में सकोरे दांगें, पानी की व्यवस्था भी सीनियर सिटीजन करेंगे। वरिष्ठजनों की इस संवेदनशील पहल की सर्वत्र सराहना की जा रही है।

धार नगर में सेन जी महाराज की 725 जयंती धूमधाम से मनाई गई, निकला जुलूस

धार। मालवी गुजराती सेन समाज धार के तत्वाधान में आज धार नगर में सेन जी महाराज की 725 जयंती धूमधाम से मनाई गई।



नगर के प्रमुख मागों से जुलूस निकाला गया जिसमें सेन जी महाराज की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। जुलूस में बड़ी संख्या में धार सेन समाज के महिला पुरुष युवक एवं युवतियां शामिल हुए।

जुलूस सेन धर्मशाला नानेवाडी धार से प्रारंभ होकर संधाइम गार्डन सेन जी महाराज की आरती एवं भोजन प्रसादी के बाद संपन्न हुआ। हजारों लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में धार नगर के सामाजिक सद्भावना मंच से सभी समाज के प्रमुखों ने भी उपस्थिति दर्ज कराई। मालवी गुजराती सेन समाज धार ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर गुजराती सेन समाज धार के अध्यक्ष नरेंद्र सिसोदिया, मालवी गुजराती सेन समाज धार के अध्यक्ष योगेश भाटी, महेश राठौर, राकेश परमार, जगदीश भाटी, शिवनारायण आर्य, मनोहर लाल परमार, सेन समाज नवयुवक मंडल के सदस्य शामिल हुए।

पहलगाम शहीदों को दी श्रद्धांजलि

सोहागपुर। पहलगाम नरसंहार को लेकर सोहागपुर ही नहीं आस-पास के कस्बों में भी आतंकवाद को लेकर आक्रोश व्याप्त है। ग्राम शोभापुर आतंकवाद के खिलाफ समस्त नागरिकों ने एक जुटता का परिचय देकर जबरदस्त प्रदर्शन किया। इस प्रदर्शन में भारी जनसमुदाय शामिल रहा इधर समीपवर्ती धार सेमेरी हरचंद में भी आतंकवाद के विरुद्ध में जमकर नारेबाजी करते हुए आतंकवाद का पुतला दहन किया। वहीं सोहागपुर में कुशवाह मौर्य क्षत्रिय समाज संगठन ने पहलगाम नरसंहार मे शहीद हुए नागरिकों के लिए श्रद्धांजलि गाई की। जिसमें पाकिस्तान की भर्त्सना करते हुए मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गईइस अवसर पर कुशवाह मौर्य क्षत्रिय समाज संगठन के वरिष्ठ संरक्षक गोपाल शंकर कुशवाह मास्टर सहब, 'संभागीय संयोजक नर्मदाप्रसाद कुशवाह, संभागीय उपाध्यक्ष अशोक कुशवाह, जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र पटेल, जिला सचिव कुशवा मौर्य, युवा साथी, हर्ष मौर्य, यश मौर्य, आस्तिक वेलवशी उपस्थित थे।

41 डिग्री के आसपास पहुंचा तापमान, प्याऊ के मटके भी दो टाइम ही हो रहे रिफिल

ठंड तर करने परेशान लोग, यात्री भी पानी खरीदकर बुझा रहे प्यास



(फाइल फोटो)

बैतूल। गर्मी ने अपने तेवर दिखाना शुरू कर दिया है और अभी शादियों का सीजन भी शुरू हो गया है। जिसके चलते बाजार में खरीदारी करने के लिए लोगों की भीड़ लगनी शुरू हो गई है। ऐसे में लोगों को अपने कंठ तर करने के लिए परेशान होना पड़ रहा है। यह जरूर है कि नगरपालिका ने सार्वजनिक स्थलों पर सार्वजनिक प्याऊ की शुरुआत की है, लेकिन प्याऊ पर रखे मटको को सिर्फ दो ही बार भरा जा रहा है। वहीं मटको की संख्या भी कम है। जिससे यह मटके भी चंद घंटों में ही खाली हो जाते हैं। परिणाम आमजनता को ठंडे पानी के लिए यहां-वहां परेशान होना पड़ता है, या पानी की बोतल खरीदकर पीना पड़ रहा है। ज्यादा परेशानी शहर के गंज और कोठी बाजार बस स्टैंड पर है। ठंडे पानी की व्यवस्था नहीं होने से लोगों को 20 रुपए बोतल में पानी खरीदना पड़ रहा है। रोजाना लगभग 1 हजार पानी की बोतलें बस स्टैंड के आसपास से बिक रही हैं। दरअसल कोठी बाजार बस स्टैंड पर जो वाटर कूलर लगा है, उससे ठंडा पानी नहीं मिल पा रहा है। इसीलिए कंठ तर करने लोग ठंडे पानी की बोतल खरीद रहे हैं, वहीं गंज बस स्टैंड पर तो पीने के पानी के इंतजाम ही नहीं हैं, यहां का एकमात्र हैंडपंप खराब पड़ चुका है।

रोजाना हजारों यात्रियों का आना-जाना - बस स्टैंड पर रोजाना सैकड़ों बच्चों और हजारों यात्रियों का आना-जाना लगा रहता है। लेकिन यहां यात्रियों के लिए मूलभूत

सुविधाएं तक नहीं हैं। अधिकांश यात्री बस स्टैंड के बाहर खड़े रहते हैं। गंज बस स्टैंड पर धूप से बचने तक के ईंतजाम नहीं है, एक छोटा शेड है। जहां यात्री खड़े होकर बसों का इंतजार करते हैं या धूप से बचने के लिए दुकानों के शेड का सहारा लेते हैं। वहीं कोठी बाजार बस स्टैंड पर पीने के पानी के अलावा अन्य सुविधाओं का भी अभाव है। यात्रियों का कहना है कि बस स्टैंड पर ठंडे पीने के पानी की व्यवस्था अनिवार्य है। नपा से बस स्टैंड पर ठंड पीने के पानी की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि लोगों को पानी के लिए यहां-वहां परेशान न होना पड़े।

सिर्फ दो बार रिफिल हो रहे प्याऊ के मटके - शहर में नपा सहित संगठनों द्वारा संचालित करीब 24 प्याऊ है। इन प्याऊ पर मटके रखे हुए हैं, जिन्हें नगरपालिका द्वारा भरा (रिफिल) किया जाता है। लेकिन इस काम में भी नपा की लापरवाही सामने आ रही है। बताया जा रहा है कि नगरपालिका द्वारा गंज, कोठी बाजार सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर शुरू किये गये प्याऊ के मटको की रिफिलिंग दो बार ही करवाई जा रही है। ऐसे में भीड़ वाले क्षेत्र में यह मटके चंद घंटों में ही खाली हो जाते हैं। ऐसे में लोग प्याऊ तक तो पहुंचते हैं, लेकिन उन्हें ठंडा पानी नहीं मिल पाता है। ज्यादा परेशानी कामकाज के लिए भरी दोपहरी में निकलने वाले लोगों को होती है, जिन्हें ठंडे पानी के लिए भटकना पड़ रहा है।

मुस्लिम समाज ने आतंकवाद के खिलाफ किया प्रदर्शन

सोहागपुर मुस्लिम समाज ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ में किया प्रदर्शन। विगत दिवस जुमे की नमाज के उपरांत मुस्लिम समाज ने जुलूस निकाला गया। इस जुलूस में पाकिस्तान मुदांबाद आतंकवाद मुदाबाद, के जमकर नारेबाजी करते हुए मुख्य बाजार में आतंकवाद का पुतला दहन किया गया। इसके पूर्व जुलूस एसडीएम कार्यालय में पहुंचकर अनुविभागीय अधिकारी अनिल जैन को राष्ट्रपति महामहिम के नाम ज्ञापन सौंपा गया। इसके बाद नगर के मुख्य चौराहे पर आतंकवाद का पुतला दहन किया गया। ज्ञापन में कहा गया है कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 मासूम निहत्थों की निरशांस हत्या की सोहागपुर का समस्त मुस्लिम समाज कड़ी निंदा करता है।इस घटना से सोहागपुर का मुस्लिम समाज आक्रोशित है। मुस्लिम लीगहर कमेटी अध्यक्ष वसीम खान ने बताया कि आतंकियों



ने जिस तरह से घटना को अंजाम दिया है। उसके लिए इस्लाम धर्म में इसकी कोई जगह नहीं है।यह पूर्णतः इस्लाम के विपरीत है। बल्कि अल्लह ने अपने कुरान की सुरुह अल माइदा 5:32-35 में कहा कि -यदि कोई किसी व्यक्ति को मारता हैतो यह ऐसा होगा जैसे उसने पूरे लोगों (मानवता) को मार डाला। इसके विपरीत यदि कोई किसी की जान बचाता है। तो 'यह

पार्षद अजीज पहलवान, हाजी नईम गुड्ड, वकील हनीफ खान , वरिष्ठ पार्षद जमीलखान , अब्दुल हुसैन, मुरतक़ा बाबा, शेखु बाबा, इकबाल बाबा, अध्यक्ष मुस्लिम लीगहर कमेटी अध्यक्ष वसीम खान शेख राशिद, आरिफ मामू, इस्मू खान, जावेद खान, सोनु राजा शाह, माइकल खान, तौसीफ, आबिद, एहसान आदि समाज बन्धु उपस्थित थे।

कैट के आह्वान पर काश्मीर चौक पर एकजुट हुए व्यापारी व जनप्रतिनिधि

बैतूल। पहलगाम में 22 अप्रैल को हिन्दू पर्यटकों पर हुए इस्लामिक आतंकी हमले के विरोध में शुक्रवार रात्रि को जिले के व्यापारी संगठन आल इंडिया कन्फेडरेशन ट्रेडर्स (कैट) ने जबरदस्त आक्रोश व्यक्त किया। व्यापारी संगठन कैट के प्रचार सचिव राजेश मदान ने बताया कि शहर के गंज स्थित काश्मीर चौक पर समस्त व्यापारी, जनप्रतिनिधि एवं हिन्दू संगठन एकजुट हुए और कैडल मार्च निकालकर पुतलामा में दिवंगत हुए निर्दोष हिंदुओं को श्रद्धांजलि दी एवं दो मिनट का मौन रखा। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, व्यापारी संगठन के पदाधिकारियों, समाजसेवियों सहित समस्त व्यापारियों ने पाकिस्तान मुदाबाद, हिंदुओं के हत्यारों को फांसी दो जैसे नारे लगाकर एकमत से इस कायराना जघन्य हत्याकांड की निंदा की और भारत सरकार से मांग की कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए शीघ्र कठोर निगयिक कार्यवाही की जाए। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सामाजिक सौहार्द की झलक भी दिखाई दी। श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में विधायक हेमंत खंडेलवाल, नपाध्यक्ष पार्वती बाई बारस्कर, जिला मंत्री अतीत पंवार, मंडल अध्यक्ष विकास मिश्रा, व्यापारी संगठन कैट के जिलाध्यक्ष मनोज भागव, प्रचार सचिव राजेश मदान, सचिव दीपक खुराना, कोषाध्यक्ष मनोज मेहता, धीरज हिराणी, चार्टर्ड एकाउंटेंट संघ अध्यक्ष प्रदीप खंडेलवाल, टैक्स बार एसोसिएशन अध्यक्ष राजीव खंडेलवाल, जनरल व किराना व्यापारी संघ अध्यक्ष बंटी मोटवानी, औषधि विक्रेता संघ अध्यक्ष मंजीत सिंह साहनी, मुकेश खंडेलवाल, जितेंद्र कपूर, दीपक कपूर, राजेश आहूजा, राजेंद्र सिंह चौहान केण्डू बाबा, कपड़ा व्यापारी संघ अध्यक्ष संजय पगारिया, टिम्बर व्यापारी संघ के अध्यक्ष राजा साहू, सीए धर्मेन्द्र माहेश्वरी, दिलीप हिराणी, सुनील सलूजा, कुशकुंज अरोरा, संदीप तलेड़ा, संजय तल्लेरा प्रवीण वराटे सहित बड़ी संख्या में कई संगठनों के सदस्य, व्यापारी, समाजसेवी एवं पत्रकार बंधु शामिल थे।

जगदीश मेडिकेयर का विधायक खंडेलवाल ने किया शुभारंभ, दिए 50 हजार

बैतूल। पूज्य सिंधी पंचायत बैतूल के वरिष्ठ सदस्य स्व. जगदीश जसूजा के स्मृति में जसूजा परिवार ने एक कार्यक्रम आयोजित कर जगदीश मेडिकेयर की शुरुआत की। जिसका शुभारंभ विधायक हेमंत खंडेलवाल ने किया। इस अवसर पर विधायक हेमंत खंडेलवाल ने मेडिकल सामानों आदि के लिए व्यक्तिगत तौर पर 50 हजार रुपए देने की घोषणा की। गंज गुरुद्वारा रोड स्थित रिलायंस स्मार्ट बाजार के पास जगदीश मेडिकेयर सेंटर के शुभारंभ को विधायक श्री खंडेलवाल ने पुण्य कार्य बताया, उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति बीमार पड़ता है, तब ऐसी दशा में जरूरतमंद गरीब लोगों को मदद की जरूरत पड़ती है। ऐसे समय में जगदीश मेडिकेयर सेंटर से निशुल्क सहयोग मिलेगा। ऐसे पुण्य कार्य के लिए समाज को आगे आने की जरूरत है। विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि वे शव रखने की फ्रीजर जगदीश मेडिकेयर के माध्यम से जरूरतमंदों के लिए उपलब्ध कराते रहेंगे। अत्यंत सक्षिप्त व गरिमापूर्ण आयोजित इस कार्यक्रम को अन्य अतिथियों ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम का संचालन कर रहे स्टेट बैंक से सेवानिवृत्त मुख्य प्रबंधक बलराम जसूजा ने कहा कि जगदीश मेडिकेयर के माध्यम से जरूरतमंदों को हॉस्पिटल बेड, व्हील चेयर, वॉकर, स्टिक आदि सभी प्रकार के इंस्ट्रुमेंट का निःशुल्क



सेवा दी जायेगी। श्री जसूजा ने कहा कि आज हमारे परिवार के लोगों ने जो मुकाम हासिल किया है, यह सब उनके पिता तुल्य बड़े भाई स्व. जगदीश जसूजा की देन एवं आशीर्वाद है। उन्होंने बताया कि बैंक अधिकारी पद से सेवानिवृत्त होने के बाद अपने चार मित्रों के साथ नित्या सेवा समिति का गठन कर सेवाभावी कार्य शुरू किया था। इस समिति के माध्यम से अब तक 1000 से अधिक पेड़ लगाए चुके हैं। जिसमें

ठंडे पानी का एटीएम नहीं कर रहा काम

नगरपालिका का कहना है कि कोठी बाजार बस स्टैंड पर ठंडे पानी के लिए एटीएम मशीन लगाई है, लेकिन मशीन खराब होने की वजह से यह काम नहीं कर रही है। नपा अधिकारियों का कहना है कि यहां असामाजिक तत्वों द्वारा एटीएम मशीन को नुकसान पहुंचाकर खराब कर दिया गया है। बस स्टैंड पर प्याऊ लगाया है, जहां मटकों में दो बार पानी भरा जाता है। बता दें कि शहर का तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास है। ऐसे में प्याऊ के मटके जल्द ही खाली हो जाते हैं। शहर के नागरिक का कहना है कि गर्मी ने अपना दस्तक देना शुरू कर दिया था। ऐसे में नगरपालिका को शहर के व्यस्ततम क्षेत्रों में वाटर कूलर लगाने की पहल करनी चाहिए। ज्यादातर ऐसे स्थानों पर वॉटर कूलर अनिवार्य है, जहां हमेशा लोगों की भीड़ लगी रहती है।

इनका कहना है -

शहर में करीब 24 सार्वजनिक प्याऊ हैं। जिनके मटके दो बार भरे जाते हैं। भीड़ वाली जगहों पर यदि मटके जल्दी खाली हो रहे हैं तो तीन बार मटकों में पानी भरवाने की व्यवस्था करेंगे। बस स्टैंड पर लगी पानी की एटीएम मशीन असामाजिक तत्वों द्वारा खराब कर दी है। इसे भी जल्द ठीक करवाने का प्रयास किया जायेगा।

- नीरज धुर्वे, एई, नगरपालिका बैतूल

पानी ईश्वर का अनमोल उपहार शहरवासी सहेजें और सहयोग भी करें : नपा अधिकारी

नगर पालिका में बैठकों का दौर, नपा अध्यक्ष साइकिल से देंगे संदेश

बैतूल/आमत्ता। हम पानी बना नहीं सकते लेकिन बचा जरूर सकते हैं, पानी ईश्वर का हमें दिया गया एक अनमोल उपहार है, और इस समय समूचे शहर और आसपास के इलाकों में भूजल स्तर गिरने से शहर के लिए यह मुश्किल भरे दिन है इसलिए शहर वासियों से सहयोग की अपील की जा रही है, उक्त वक्तव्य नगर पालिका अधिकारी वीरेंद्र तिवारी ने शनिवार को नगर पालिका में एक



अनौपचारिक बैठक में कहे हैं।

दरअसल बीते कुछ समय से इलाके में गिरते भूजल स्तर से अचानक पानी के संकट का दौर शुरू हो गया है, ऐसे में नगर पालिका ने तत्काल आदेश से शहर में एक दिन के अंतराल से मिलने वाली पेयजल व्यवस्था को दो दिन के अंतराल से लागू कर दिया है।शहर में बेहतर व्यवस्था के लिए लगातार बैठके भी की जा रही हैं। इसके लिए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर शहर में कुछ पेयजल स्रोतों का अधिग्रहण भी किया गया है,कुछ की तलाश जारी है। जैसा कि नगर पालिका अधिकारियों ने हमें बताया है कि अगले सप्ताह लगभग 10 बोर भी किया जा रहे हैं उम्मीद है नगर पालिका के इन प्रयासों से आगामी भीषण गर्मी का दौर बेहतर ढंग से गुजर जाएगा। शनिवार नगर पालिका में जल संकट पर रखी

27 सितंबर 2024 को पट्टन में पदस्थ उर्दू शिक्षिका फरहत अली को मुलातई हिंदी उर्दू स्कूल में संलनीकरण किया गया था, जो वर्तमान में विकासखंड शिक्षा अधिकारी के आदेश से निरस्त कर दिया गया।

बीईओ ने दिए आदेश संलग्नीकरण निरस्त -विकासखंड शिक्षा अधिकारी ने समस्त शाला प्राचार्य एवं संकुल प्राचार्य को संलनीकरण निरस्ती के निर्देश देते हुए यह सुनिश्चित करने का कहा है कि आपकी शाला में शिक्षक संलग्नीकरण की स्थिति न बनी रहे। समस्त शाला प्रमुक्तों को लिखे गए इस पत्र का उल्लेखनीय पहलू यह है कि इस संबंध में शासकीय हिंदी उर्दू शाला प्रधान पाठिका को उक्त सामान्य पत्र के साथ अलग से नोट में लिखा गया है कि वह उर्दू शिक्षिका फरहत अली को पत्र तामिल करारक पत्रों लेंगे।

इनका कहना है -

उर्दू शिक्षक की पोस्ट क्रिएट करारक शिक्षक की नियुक्ति कराएंगे, छुट्टियां समाप्त होते ही इस समस्या का हल हो ऐसे प्रयास किए जा रहे हैं।

- चंद्रशेखर देशमुख विधायक मुलताई

शा. हिंदी, उर्दू शाला से फिर हटाई गई उर्दू शिक्षिका बगैर उर्दू शिक्षक के वर्षों से चल रहा है उर्दू स्कूल, विधायक ने कराया था अटैचमेंट अधिकारियों ने हटाय़ा

बैतूल / मुलताई। पवित्र नगरी के नाना नंबर एक पर स्थित जिले का एकमात्र शासकीय हिंदी/उर्दू स्कूल एक बार फिर उर्दू शिक्षक विहीन हो गया है। स्कूल से जुड़े जनप्रतिनिधियों के 3 साल के संघर्ष एवं भाजपा विधायक चंद्रशेखर देशमुख के प्रयासों के बाद शासकीय हिंदी/उर्दू माध्यमिक विद्यालय में पदस्थ की गई उर्दू शिक्षिका को विकासखंड शिक्षा अधिकारी के आदेश से उर्दू हिंदी स्कूल से हटकर वापस प्रभात पट्टन शाला में पदस्थ कर दिया गया है। एक बार फिर जिले का एकमात्र हिंदी उर्दू विद्यालय बगैर उर्दू शिक्षक के चल रहा है जिसको लेकर पालकों में भारी रोष है। स्कूल से जुड़े जनप्रतिनिधि और पालकों को कहना है कि जब उर्दू स्कूल में उर्दू शिक्षक ही नहीं है, तो हम अपने बच्चों का दाखिला इस स्कूल में करा कर बच्चों का भविष्य क्यों खराब करेंगे। हमने अनेकों बार उर्दू शिक्षक की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन किया, वरिष्ठ अधिकारियों से बात की, जिला शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से लेकर बीआरसी तक ने आश्वासन दिया कि अब उर्दू स्कूल में उर्दू शिक्षक की कमी नहीं होने दी जाएगी, किंतु एक बार फिर उर्दू स्कूल से उर्दू शिक्षक हटाकर उर्दू स्कूल में उर्दू शिक्षक



की कमी यथावत बना दी गई है।

विधायक ने कहा शीघ्र होगी उर्दू शिक्षक की नियुक्ति- उर्दू हिंदी स्कूल प्रारंभ करने से लेकर अब तक इस स्कूल को आरंभ रखने के प्रयास में जुटे हाजी सलीम खान ने विधायक चंद्रशेखर देशमुख के निवास पर पहुंचकर उन्हें हिंदी उर्दू स्कूल के शिक्षक की नियुक्ति के संबंध में चर्चा की। उन्हें स्कूल की समस्या से अवगत कराने के बाद हाजी सलीम खान ने बताया कि विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने आश्वासन दिया है कि शीघ्र ही मुलताई हिंदी उर्दू स्कूल में उर्दू शिक्षक पदस्थ किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शासकीय उर्दू हिंदी स्कूल में बीते 3 वर्षों से उर्दू शिक्षक की पोस्टिंग नहीं हुई है इसके बाद विधायक चंद्रशेखर देशमुख के प्रयासों से

खंडेलवाल के समक्ष जाहिर की। इस विषय पर विधायक श्री खंडेलवाल ने कहा कि वे खुद पिछले 10 वर्षों से उस गौशाला के लिए सहयोग करते आ रहे हैं। इसलिए वर्तमान में जो संचालित कर रहे हैं उनको साथ में लेकर संचालन कर सकते हैं। नित्या सेवा समिति के अध्यक्ष बलराम जसूजा ने कहा कि बैतूल शहर के आस पास कहीं भी नजूल अथवा राजस्व की सरकारी जमीन मिलती है तो गौ चिकित्सा केंद्र खोलने की योजना है।

जगदीश मेडिकेयर को इन्होंने दिया सहयोग - मुख्य अतिथि विधायक हेमंत खंडेलवाल द्वारा 50 हजार रुपए व्यक्तिगत रूप से देने की घोषणा की है। वहीं कार्यक्रम के दौरान मंच पर मौजूद स्वैक्षिक सेवानिवृत्त हुए रेवेन्यू इंस्पेक्टर हरीश गढ़ेकर द्वारा एक व्हीलचेयर दी जाएगी। नरेंद्र हिरानी ने ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, नानकाम आहूजा ने हास्पिटल बेड जगदीश मेडिकेयर में सहयोग देने की बात कही है। कार्यक्रम में विशेष रूप से वासुदेव जसूजा, राजकुमार जसूजा, नारायण जसूजा, राजेश जसूजा, पिंटू पर्रहार, पार्षद विजय जसूजा सुरेंद्र कपूर, राजेश मदान, पत्रकार कल्याण परिषद से वरिष्ठ पत्रकार राधेश्याम सिंह और परिषद के महासचिव वरिष्ठ पत्रकार संजय द्विवेदी, वरिष्ठ पत्रकार अनिल ठाकुर, नवल वर्मा, दीपक पाल सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।



बॉलीवुड और पहलगाम का रिश्ता पुराना रहा है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम के पास स्थित बैसरन में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया। जहां कभी सैलानी कुदरत की खूबसूरती को कैमरे में कैद करते थे, वहीं आज इस धरती पर खून बहा है। यह बैसरन, जिसे ‘मिनी रिवट्रजरलैंड’ कहा जाता है, बॉलीवुड की कई यादगार फिल्मों का हिस्सा रह चुका है।

हिंसा की इसी जगह पर कई फिल्मों की कहानियां गढ़ी गईं

अब कश्मीर के पहलगाम की बैसारन वादियां दहशत के साए में हैं। हरे-भरे मैदान, कल कल करती नदियां और घने जंगल यही तो वो नजारे हैं, जो फिल्मकारों को बार-बार पहलगाम की ओर खींच लाते हैं। पहलगाम, अर्न्तनाग जिले का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो हमेशा से हिंदी फिल्मों की शूटिंग के लिए पसंदीदा लोकेशन रहा है। 1950-60 के दशक से लेकर आज तक पहलगाम ने कई क्लासिक और मॉडर्न फिल्मों की कहानियों को अपने आंचल में जगह दी है।

जहां कभी कैमरे चलते थे, वहां अब सुरक्षाबलों की पैनी नजर है, जिस बैसारन घाटी में ‘बजरंगी भाईजान’ की मासूम मुन्नी दौड़ती दिखी थी, वहीं अब गोलियों की आवाज गुंज चुकी है। कश्मीर की खूबसूरती को बार-बार परदे पर लाने वाले इन लोकेशन को फिर से वही रौनक मिले, यही हर सिनेप्रेमी को ख्वाहिश है। फैलहाल, फिल्में आती हैं और चली जाती हैं, लेकिन जो ख़िव वो लोकेशन की बना जाती हैं, वो अमर हो जाती है। पहलगाम ऐसी ही एक जगह है जहां प्रकृति मुस्कुराती है। लेकिन, अब वहीं से एक टीस भी उठ रही है। उम्मीद है, कि ये खूबसूरत वादियां फिर से सिर्फ प्यार, शांति और सिनेमाई आवाजों से गुंजेगी।

जानते हैं किन-किन फिल्मों की शूटिंग यहां हुई और कैसे इन फिल्मों ने पहलगाम को परदे पर अमर कर दिया।

जब तक है जान- साल 2012 में आई यश चोपड़ा की इस रोमांटिक फिल्म में शाहरुख खान, कैटरीना कैफ और अनुष्का

शर्मा मुख्य भूमिकाओं में थे। फिल्म के कुछ खूबसूरत सीन्स पहलगाम की वादियों में शूट किए गए। खासकर ‘जिया रे’ गाना, जिसमें अनुष्का का बिंदास अंदाज दिखाया गया है, उसे बैसारन की खुली वादियों में फिल्माया गया। इस गाने के जरिए दर्शकों को कश्मीर की खूबसूरती का अलग ही एहसास हुआ।

राजी- साल 2018 में मेघना गुलजार की ये जासूसी थ्रिलर फिल्म आलिया भट्ट और विक्की कौशल की दमदार परफॉर्मेंस के लिए जानी जाती है। फिल्म में दिखाया गया विवाद का दृश्य पहलगाम के पास दूधपथरी



इलाके में शूट किया गया था। शांत और सुरम्य वातावरण ने उस इमोशनल सीन को और भी प्रभावशाली बना दिया।

हैदर- साल 2014 में विशाल भारद्वाज की इस फिल्म ने कश्मीर की सच्चाई और दर्द को बड़े परदे पर उतारा था। शाहिद कपूर और श्रद्धा कपूर की यह फिल्म पूरी तरह कश्मीर पर आधारित थी। इसके कई सीन्स पहलगाम



में शूट हुए थे। फिल्म का फेमस गाना ‘बिस्मिल’ मार्टंड सूर्य मंदिर में शूट हुआ था, जो पहलगाम के रास्ते में आता है। फिल्म के क्लाइमेक्स की शूटिंग भी यहीं की गई थी।

बजरंगी भाईजान- साल 2015 में सलमान खान की इस सुपरहिट फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाया था। इसमें दिखाया गया बैसारन घाटी का दृश्य दरअसल पहलगाम का ही हिस्सा है। जहां फिल्म का इमोशनल गाना ‘भर दे झोली मेरी’ शूट हुआ था। पहलगाम की प्राकृतिक सुंदरता ने इस सीन को दर्शकों के दिल में बसाने लायक बना दिया था।

हाईवे- साल 2014 में इम्टियाज अली की इस फिल्म में आलिया भट्ट और रणदीप हुड्डा की जोड़ी नजर आई थी। फिल्म के दूसरे हिस्से में दोनों किरदार पहलगाम के पास स्थित अरु वैली पहुंचते हैं, जहां वो कुछ वक शांति से बिताते हैं। अरु वैली, पहलगाम से करीब 12 किलोमीटर दूर स्थित है, और बेहद खूबसूरत जगह मानी जाती है।



211.5 करोड़ रुपये का था। ‘गंगूबाई काठियावाड़ी’ के लिए आलिया भट्ट ने बेस्ट एक्ट्रेस का नेशनल अवॉर्ड जीता था। वहीं, बेस्ट एक्ट्रेस का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी अपने नाम कर लिया था। आईएमडीबी के अनुसार, ‘गंगूबाई काठियावाड़ी’ ने टोटल 49 अवॉर्ड जीते।

रात में ही होती थी इस फिल्म की शूटिंग

फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली के फिल्मों की कहानी कुछ ऐसी होती है कि उनका बॉक्स ऑफिस पर छा जाना तो बनता ही है। उनकी एक ऐसी ही फिल्म साल 2022 में आई थी। उनकी ये फिल्म काफी चर्चा में रही। फिल्म का नाम ‘गंगूबाई काठियावाड़ी’ है। 2022 में रिलीज हुई इस फिल्म में आलिया भट्ट ने लीड रोल निभाया था। आलिया के अलावा फिल्म में शांतनु माहेश्वरी, विजय राज, सीमा पहवा, जिम सर्भ और अजय देवगन जैसे खितारे भी शामिल हैं।

फिल्म की कहानी एक मशहूर माफिया क्रीन गंगूबाई काठियावाड़ी के बारे में है, जिसे उसके बॉयफ्रेंड ने सिर्फ 500 रुपये के लिए कोटे में बेच दिया था। बॉयफ्रेंड से थोखा मिलने के बाद गंगूबाई पूरी तरह टूट गई थी। फिर उसने मुंबई के रेड लाइट एरिया में अपनी नई जिंदगी शुरूआत की और माफिया क्रीन बनी। पूरी फिल्म गंगूबाई के इर्द-गिर्द घूमती है। आईएमडीबी की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ‘गंगूबाई काठियावाड़ी’ की पूरी शूटिंग रात में ही हुआ करती थी, क्योंकि कहानी के हिसाब से यह दिन में शूट नहीं हो सकती थी।

100 करोड़ के बजट में तैयार हुई इस फिल्म ने 132.01 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। इसका वर्ल्डवाइड कलेक्शन



सिनेमा में घृणित आतंकी सोच वाले सनकी किरदारों की लंबी फेहरिस्त रही है। इन किरदारों को तभी से परदे पर पेश किया जाने लगा, जब सिनेमा ने घुटने-घुटने ही चलना सीखा ही था।



जब सिनेमा थोड़ा वयस्क हुआ और दर्शकों को नकारात्मक किरदार पसंद आने लगे तो गम्बर, मोगैम्बो, डॉ डैंग, शाकाल और भीखू म्हात्रे जैसे किरदार रचे गए। परदे पर तो इनकी भूमिका नकारात्मक थी ही, इनके चरित्र को इस रूप में रचा गया था कि दर्शकों को उनसे घृणा होने लगी थी।

छले दिनों कश्मीर की हरी-भरी वादियों में जब खून का लाल रंग बहा तो देश ने आतंक का एक नया रूप देखा। इस घृणित कृत्य को अंजाम देने वाले महज आतंकवादी नहीं थे। यदि वे आतंकवादी होते, तो आते और लोगों को गोलियों से छननी करके चले जाते। लेकिन, जिस तरह से उन्होंने हर पर्यटक से उसके धर्म की जानकारी ली और पुष्टि करने के बाद सभी को एकत्रित करके मारा उससे ऐसा लगता है कि वे आतंकवादी होने के साथ सनकी किस्म के लोग थे। उन्होंने अपने सनकीपन का परिचय देते हुए इस नरसंहार को अंजाम दिया। इन सनकियों ने जिस तरह के व्यवहार का प्रदर्शन किया, उसे देखकर हिंदी सिनेमा के कई ऐसे किरदार आंखों के सामने घूमने लगते हैं, जो किसी भी सूरत में इन सनकी आतंकी किरदारों से कम नहीं कहे जा सकते।

हिंदी सिनेमा में इस तरह की सोच के सनकी किरदारों को तभी से परदे पर पेश किया जाने लगा, जब से सिनेमा ने घुटने-घुटने ही चलना सीखा था। उन दिनों अधिकांश फिल्में पौराणिक कथाओं पर आधारित हुआ करती थी। इस तरह की कथाओं में कभी भूत-प्रेत कभी दानव और राक्षस के रूप में इस तरह के सनकी किरदार परदे पर उभारे गए। उन दिनों इस तरह के किरदारों को निभाने वाले कलाकार भी तय थे। पौराणिक फिल्मों में भय और आतंक मचाने में उन दिनों बीएम व्यास, मिहारी, हीरालाल और हबीब जैसे कलाकारों को महारथ हासिल थी। आश्चर्य की बात यह कि परदे पर अपने भयानक अह्वास से आतंक मचाने वाले बीएम व्यास हो या तिवारी या हीरालाल सभी उच्च कुल से संबंधित थे।

इसके बाद ऐतिहासिक फिल्मों का दौर आया, जिसमें कुछ ऐसे खतरनाक सनकी ऐतिहासिक पात्र परदे पर प्रस्तुत किए, जिन्होंने दुनियाभर में आतंक बरपाकर लोगों को भयभीत कर रखा था। चंगेज खान और हलाकू ऐसे ही किरदार थे। आतंक ही जिनका पर्याय था। ऐसे पात्रों में कभी प्रेमाथ कभी शेख मुख्तार तो कभी खलनायकों के बादशाह प्राण ने दर्शकों में



खौफ पैदा करने का कमाल किया था। इसके बाद जब आधुनिक काल आया, तो यहां भी ऐसे किरदार परदे पर आए जिन्होंने नए-नए तरीके अपनाकर आतंक और भय का वातावरण रचने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

‘जिस देश में गंगा बहती है’ का राका ऐसा ही खूबवार डाकू था, जो दुल्हन की गद्दन से आभूषण खिंचते समय यह परवाह तक नहीं करता था कि इससे गला कट कर दुल्हन डोली पर चढ़ने के बजाए अर्धों पर चढ़ जाती है। प्राण ने इस किरदार को बखूबी पूरे आतंक के साथ पेश किया था। समय के साथ प्राण ने तो अपनी अभिनय शैली बदल डाली, लेकिन सनकी सोच वाले किरदार नए नाम और नए रूप के साथ परदे पर आते-जाते रहे।

जब से बॉलीवुड में साइको-थ्रिलर का युग आरंभ हुआ, परदे पर एक बार फिर आतंक की लहर छा गई। इस बार परदे पर आतंक मचाने में किसी खलनायक की जरूरत नहीं थी। बल्कि नायक कहलाने वाले अभिनेताओं ने यह कमाल किया है। इस श्रृंखला में शाहरुख खान का नाम सबसे ऊपर आता है। ‘बाजीगर’ में बदला लेने की सनक में वह नायिका की बहन को मल्टी स्टोरी बिल्डिंग से धकेल कर जिस कुटिलता से मुस्कुराते हैं,देखकर दर्शकों की रूह कांप जाती है। इसके बाद ‘डर’ में एक बार फिर शाहरुख ने



कभी हाथ की नस काटकर तो कभी चोला बदलकर नायिका को क... क.... किरण बोलकर डराने के साथ साथ दर्शकों को भी डराने का काम किया। शाहरुख ने ‘अंजाम’ में भी ऐसा ही किरदार निभाया था।

इसी तरह की एक अंग्रेजी फिल्म थी ‘स्लीपिंग विद द एग्निमी’ जिसका हिन्दी रूपांतर कर दो फिल्में बनाई गई थी। एक थी 1996 में रिलीज ‘अग्निसाक्षी’ और दूसरी थी ‘दरार’। अग्नि साक्षी में जहां नाना



पोटेरन ने सनकी पति की भूमिका कर परदे पर आतंक बरपाया था, तो ‘दरार’ में इसी तरह की खतरनाक भूमिका कर अरबाज खान फिल्म फेयर पुरस्कार ले गए। इससे पहले बीआर चोपड़ा की फिल्म ‘धुंध’ में डैनी ने जीतन अमान के सनकी पति की भूमिका कर सनसनी फेरवाई थी।

सिनेमा के परदे पर हिंसा के साथ सनकी व्यवहार कर सनकी सोच को बढ़ावा देने वाले किरदारों में ‘शोले’ का गम्बर अमजद खान चोटी पर पहुंचे, तो ‘चाइना रोट’ में सनकीपन को सवादों के साथ पेश करने में मुकेश तिवारी ने जो किया ‘मेरे मन भाया, कुत्ता मार के खाया’ ने सारी हद्दें पार कर दी थी। दर्शकों को हराने में शुद्ध हिन्दी बोलने वाले शिव भक्त आशुतोष राणा भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने 1999 में प्रदर्शित फिल्म ‘संचर्ष’ में लज्जा शंकर पांडे बनकर खतरनाक किरदारकारी मारी थी। इससे एक साल पहले प्रदर्शित दुश्मन में उन्होंने गोकुल पाण्डे बनकर दर्शकों को पसीने से तर कर दिया था।

अजय देवगन ने 2002 में प्रदर्शित ‘दीवानगी’ में ऐसे ही शातिर और सनकी किरदार तर्ग भारद्वाज बनकर आतंक बरपाया। उनकी अन्य फिल्म ‘दिलवाले’ में अमरीश पुरी ने अजीबोगरीब गेटअप के साथ दर्शकों को डराया था। इससे पहले भी अमरीश पुरी

इफेक्ट्स और रोबोट का चरित्र को बनाया। ‘कृष-3’ (2013) में एआई से विजुअल इफेक्ट्स और सुपर हीरो के चरित्र बनाया था। ‘बाहुबली’ (2015) में एआई से विजुअल इफेक्ट्स और एनिमेशन किया गया। फिल्म ‘2.0’ (2018) में एआई से विजुअल इफेक्ट्स और रोबोट का किरदार बनाया गया। इस फिल्म में एआई का उपयोग सबसे ज्यादा किया गया था। ‘मिशन मंगल’ (2019) में एआई से स्पेस मिशन के दृश्यों को प्रभावी बनाया गया। ‘विक्रम वेधा’ (2022) में एआई से विजुअल इफेक्ट्स और एनिमेशन के लिए किया गया था।

हिंदी फिल्मों में एआई का सबसे ज्यादा उपयोग ‘2.0’ फिल्म (2018) में हुआ। यह फिल्म रोबोटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित थी। इसमें एआई का उपयोग विजुअल इफेक्ट्स, रोबोट के चरित्र को बनाने और फिल्म के संगीत और ध्वनि डिजाइन में किया गया था। ‘2.0’ फिल्म में एआई का उपयोग करने के लिए फिल्म के निर्देशक एस शंकर ने कई एआई टूल्स और तकनीकों का उपयोग किया था। फिल्म में विजुअल इफेक्ट्स के लिए एआई का उपयोग किया था, जिससे रोबोट के चरित्र को अधिक वास्तविक और आकर्षक बनाया जा



भविष्यवाणी करती है। इसका उपयोग सोनी पिक्सर अपनी 62 फिल्मों का विश्लेषण करने के लिए कर चुका है।

प्री-प्रोडक्शन में भी ‘एआई’ का उपयोग किया जाने लगा है। इसकी मदद से शेड्यूल बनाने, कहानी के लिए उपयुक्त शूटिंग स्थल की खोज भी संभव है। इसके अलावा ‘एआई’ में निर्माण प्रक्रियाओं में सहायता और प्री-प्रोडक्शन प्रक्रिया को सरल बनाने की काफी क्षमता है। ‘एआई’ को लागू करने से अभिनेताओं की उपलब्धता के अनुसार शूटिंग शेड्यूल की योजना स्वचलित हो सकेगी। इससे समय की बचत होगी और दक्षता में वृद्धि आएगी। इसके साथ ही एआई सिस्टम पटकथा में उल्लेखित स्थानों का विश्लेषण भी कर सकता है। शूटिंग के लिए वास्तविक साइटों की जानकारी दे सकता है। आशय यह कि फिल्मकार का निर्माण संबंधी अनावश्यक खर्च बचने लगा।

हॉलीवुड फिल्मों के बाद हिंदी फिल्मों में भी ‘एआई’ का उपयोग बढ़ता जा रहा है। कई फिल्मों में इसका प्रभावी उपयोग किया भी गया। पिछले डेढ़ दशकों में ऐसी कई फिल्में आईं जिनमें कहीं न कहीं एआई तकनीक का असर दिखाई दिया। ‘एआई’ का उपयोग फिल्मों में लगातार बढ़ता जा रहा है, और भविष्य में इसका उपयोग और भी अधिक होने की संभावना है। ‘रोबोट’ (2010) फिल्म में एआई से रोबोट का चरित्र गढ़ा गया। ‘रावन’ (2011) में भी एआई से विजुअल

संके। फिल्म में फेस रिकनिशन तकनीक का भी उपयोग किया गया, जिसमें रोबोट के चरित्र को पहचानने और उसके चेहरे के भावों को समझने में काफी हद तक मदद मिली। फिल्म में मोशन कैप्चर तकनीक का उपयोग भी किया गया था, जिससे रोबोट के चरित्र की गतिविधियों को अधिक वास्तविक और आकर्षक बनाया जा सके। फिल्म में संगीत और ध्वनि डिजाइन के लिए एआई का भी उपयोग हुआ था, जिससे फिल्म के संगीत और ध्वनि को अधिक प्रभावी और आकर्षक बनाया जा सके। इन एआई तकनीकों का उपयोग करके ‘2.0’ फिल्म के निर्देशक एस शंकर ने एक ऐसी फिल्म बनाई, जो न केवल दर्शकों को आकर्षित करती है, बल्कि एआई की क्षमताओं को भी प्रदर्शित करती है।

एआई से हिंदी फिल्मों में कई फायदे के साथ चुनौतियां भी हैं। ‘एआई’ के उपयोग से हिंदी फिल्मों में अधिक प्रभावी ढंग से काम किया जा सकता है। लेकिन, इसके साथ रचनात्मकता और गुणवत्ता की कमी का ध्यान रखना भी आवश्यक है। अभी ये शुरुआती दौर है। समय के साथ ‘एआई’ का उपयोग बढ़ेगा और फिल्म निर्माण का काम आसान होता जाएगा। तब पूरी फिल्म एक कमरे में बैठकर बना ली जाए, तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। क्योंकि, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से वो सब कुछ संभव है, जिसे अभी तक नामुमकिन समझा जा रहा था।

- hemantpal60@gmail.com/ 9755499919

परदे के ते खल पात्र जिनकी सनक आतंकियों जैसी

‘मिस्टर इंडिया’ में मोगैंबो बनकर आतंक फैलाकर खुश होते दिखाई दिए। रमेश सिप्पी की फिल्म ‘शान’ का शाकाल भी कुछ कुछ सनकी किरदार था जो कभी भी किसी को भी बिना सोचे समझे मगरमच्छ की खुराक बनाने से नहीं हिचकिचाता था।

मनोज बाजपेयी सनकी सोच वाले किरदार भीखू म्हात्रे बनकर परदे पर आए, तो ‘रोड’ में बाबू बनकर उन्होंने एक बार फिर परदे पर आतंक फैलाने में कामयाबी पायी थी। ‘रमन राघव’ में रमन्ना जैसे खूंखार हत्यारे की भूमिका निभाकर नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने आतंक की महिमा मंडित की तो ‘एक विलेन’ में सनकी प्रेमी और हत्यारे की भूमिका में रितेश देशमुख ने जान डाल दी थी। गुलशन ग्रोवर को भी ऐसी भूमिका निभाने में महारत हासिल थी। वे तब तरह के गेटअप बदलकर बेइमन के चरित्र को परदे पर पेश कर सनक का सिलसिला आगे बढ़ाते रहे। डैनी ने ‘हम’ और ‘घातक’ के अलावा अफमॉलिस्तान में फिल्माई फिल्म ‘खुदा गवाह’ में एकदम इसी तरह स्वांग भकर आतंकवादी सोच को परदे पर पेश किया। इस तरह के सनकी किरदार निभाने के लिए ‘रंगा खुश’ बनकर मारकाट मचाने वाले जोगिंदर का नाम भी याद आता है।

ऐसी बात नहीं कि परदे पर सनकी किरदार निभाने में केवल पुरुष पात्रों का ही एकाधिकार रहा है। 1997 में प्रदर्शित फिल्म ‘गुप्त’ में प्यार की खातिर जान लेने देने की सनकी इंशा सिन्हा की भूमिका का काजोल जैसी अभिनेत्री कामयाब रही। नाजुक और बच्चों सी लगने वाली उर्मिला मातोंडकर ने ‘मर्डर’ में भयानक तरीके से अपनी भूमिका पेशकर दर्शकों को डराने का काम पूरी शिद्दत के साथ किया था। आज के जमे हुए कलाकारों में रणबीर सिंह ‘पचावत’ में, बांकी देओल ‘एनिमल’ में और ताजा ताजा अश्वय खन्ना औरंगजेब के उसी सनकी रूप को परदे पर ‘छावा’ में दिखा चुके हैं जो घृणित रूप दुनिया ने पहलगाम में देखा। ऐसे में प्रश्न उठना लाजमी है कि क्या परदे पर निर्माता इस तरह के चरित्र पेशकर आतंकवादियों की सनक को खाद पानी तो नहीं दे रहे हैं!



नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री



**देश का टेक्नोलॉजी हब
बनने की ओर अग्रसर मध्यप्रदेश**



डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 2025

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 के संकल्पों को
साकार करता मध्यप्रदेश

शुभारंभ

डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश द्वारा

27 अप्रैल 2025 | सायं 5:00 बजे
ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर

**अवसरों का प्रदेश
मध्यप्रदेश...**

इन्वेस्टर फ्रेंडली नीतियां

- ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स पॉलिसी 2025
- ड्रोन प्रमोशन एवं यूसेज पॉलिसी 2025
- आईटी, आईटीईएस एवं ईएसडीएम इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023
- एवीजीसी-एक्सआर पॉलिसी 2025
- सेमीकंडक्टर पॉलिसी 2025

टेक ईकोसिस्टम

15+ आईटी पार्क	5 आईटी सेज़	2000+ आईटी, आईटीईएस यूनिट	50+ बड़ी आईटी कंपनियां
1200+ टेक स्टार्ट-अप्स	200K+ रोज़गार के अवसर	2 टेक यूनिवर्सिटी	

फोकस क्षेत्र



आईटी-आईटीईएस



एवीजीसी-एक्सआर



ड्रोन प्रौद्योगिकी



ईएसडीएम और सेमीकंडक्टर



डाटा सेंटर



ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स

